Follow us on :
bharatbhaskar.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
भारत भास्कर
हर खबर का असर
डाक पंजीयन - छ.ग. / रायपुर संभाग / 58 / 2021-2023
वर्ष : 15 ● अंक-197 ● रायपुर, सोमवार 14 अगस्त 2023 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य-2 रूपये ● रायपुर, नागपुर, भोपाल, लखनऊ एवं दिल्ली से प्रकाशित ● RNI-CHHHIN/2009/29179

सूर्योदय 6.22
सूर्यास्त 5.38
श्रावण अधि. मास
कृष्ण पक्ष-त्रयोदशी

सुविचार

कुछ नया सीखने की सबसे अच्छी बात यह है कि इसे कोई आपसे छीन नहीं सकता।
-स्वदेश तिवारी

3 बच्चे राष्ट्र की संपति है, जो देश के भविष्य को आकार देगें उनकी सुरक्षा और संरक्षण की आवश्यकता है- न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा

5 आत्मानंद स्कूल भुवनेश्वरपुर एवं रामानुजनगर में ईवीएम वीवीपैट का प्रदर्शन

7 समस्याओं से जूझ रहा है भांसी कलारपारा

जांजगीर में आयोजित 'भरोसे के सम्मेलन' में उमड़ा जनसैलाब

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सरकार ने वादा पूरा करके दिखाया : मल्लिकार्जुन खड़गे

- छत्तीसगढ़ की प्रथम महिला सांसद मिनीमाता के नाम पर होगा जांजगीर-चांपा का मेडिकल कॉलेज - बघेल
- 467.33 करोड़ रूपए के कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास
- 627 निवेशकों को चिटफंड की 44 लाख 56 हजार रुपए की वापसी

जांजगीर-चांपा/भारत भास्कर। राज्यसभा के नेता प्रतिपक्ष श्री मल्लिकार्जुन खड़गे आज छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले के खोखरा में आयोजित 'भरोसे का सम्मेलन' को संबोधित करते हुए कहा कि आज यहां भरोसा का सम्मेलन इसलिए हो रहा है क्योंकि जो भरोसा मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल और उनकी सरकार ने आपको दिया था उसे पूरा करके दिखाया। छत्तीसगढ़ सरकार निडर होकर गरीबों, मजदूरों और कमजोर वर्ग के लोगों का उत्थान करने के संकल्प को पूरा करने का कार्य कर रही है। आज यहां का प्रत्येक नागरिक संतुष्ट है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने 'भरोसे के सम्मेलन' को संबोधित करते हुए कहा कि जांजगीर-चांपा में बनने वाले मेडिकल कॉलेज का नामकरण प्रथम महिला सांसद मिनीमाता के नाम पर होगा। उनका निर्वाचन क्षेत्र जांजगीर-चांपा रहा है। यहां 25 एकड़ में मेडिकल कॉलेज बनेगा। उन्होंने छत्तीसगढ़ी में अपने उद्बोधन में कहा कि विपरीत से विपरीत परिस्थितियों में भी हमने जनता से किया अपना वादा निभाया। हमारी सरकार किसानों के साथ खड़ी है। कर्जमाफी, धान खरीदी का वादा हमने निभाया। उन्होंने कहा कि 20 अगस्त को राजीव गांधी किसान न्याय योजना की अगली किश्त किसानों के खातों में आएगी।

मुख्य मंच पर श्री खड़गे का गजमाला सहित जांजगीर-चांपा की प्रसिद्ध कोसा शाल और खुमरी पहनाकर मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरण दास महंत, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुश्री कुमारी शैलजा, राज्य के उपमुख्यमंत्री श्री टी. एस. सिंहदेव, सांसद श्री दीपक बैज सहित अतिथियों ने स्वागत किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन के मंत्रीगण और बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और नागरिकगण उपस्थित थे। इसके पहले मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने राजधानी रायपुर के एयरपोर्ट में श्री खड़गे की अगवानी की और हेलीकॉप्टर में उन्हें लेकर जांजगीर पहुंचे। खोखरा पहुंचने पर मुख्य अतिथि श्री खड़गे और अध्यक्ष मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल सहित विशिष्ट अतिथियों का कर्मा नृत्य और झांझ मंजीरे के साथ आत्मीय स्वागत किया गया।

मुख्य अतिथि श्री मल्लिकार्जुन खड़गे ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि आजादी के बाद से हमारी सरकार ने एम्स बनाया, स्कूल, कॉलेज, यूनिवर्सिटी खोली। बड़े बड़े कारखाने, टेक्सटाइल यूनिट बनाए, औद्योगीकरण को बढ़ावा दिया। देश को आगे बढ़ाने का काम किया। पंडित जवाहर लाल नेहरू और सरदार वल्लभ भाई पटेल ने पब्लिक सेक्टर को मजबूती देने का काम किया। भांगड़ा नागल, हीराकुंड बांध से लेकर भिलाई इस्पात संयंत्र हमारी सरकार ने बनाया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने खाद्य सुरक्षा अधिनियम लाकर गरीब एवं आम जनता को खाद्य सुरक्षा उपलब्ध कराया। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने सभी वर्गों के हितों के लिए कार्य किया, किसानों का कर्ज माफ किया। छत्तीसगढ़ सरकार न्याय योजना पर बेहतर ढंग से कार्य कर रही है। छत्तीसगढ़ की सरकार न्याय योजनाओं से समाज के अलग अलग वर्गों को सीधे लाभान्वित करने का काम कर रही है। पूरे देश में इस तरह की यह अपने आप में अकेली योजना है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा कि किसान, मजदूर, गरीब, महिला, युवा सभी वर्गों के उत्थान का कार्य हमारी सरकार कर रही है। हमने छत्तीसगढ़ के सभी वर्गों और समाज के संरक्षण और उन्हें आगे बढ़ाने का काम किया है। विभिन्न योजनाओं के तहत लगभग पौने 2 लाख करोड़ रूपए की राशि हितग्राहियों के खाते में डायरेक्ट ट्रांसफर हुई है। कोई बीच का आदमी नहीं है, हमने लोगों की जेब में सीधे पैसे डाले। इस साल हमने 107 लाख मीट्रिक टन धान किसानों से खरीदा। तीसरे दिन ही खाते में पैसे पहुंच जाते थे। इस साल 20 क्विंटल धान प्रति एकड़ खरीदेंगे।

श्री बघेल ने कहा है कि छत्तीसगढ़ पूरे देश में इकलौता राज्य है जहां मजदूरों को भी 7 हजार रुपए की सालाना सहायता राशि दी जा रही है। 13 लाख परिवार से हम तेंदूपत्ता 4000 रुपए प्रति मानक बोरा की दर पर खरीद रहे हैं। पूरे देश में गोबर कहीं नहीं खरीदा जाता लेकिन हमारे छत्तीसगढ़ में हम 2 रुपए प्रति किलो में गोबर खरीद रहे हैं। 42 लाख परिवारों को हम बिजली बिल हाफ योजना का लाभ दे रहे हैं। अब हम हर ब्लॉक में जैतखाम बनाएंगे। ग्राम पंचायत के माध्यम से सरपंच इसका निर्माण करवाएंगे। आज ऐसा कोई समाज नहीं है जो यह कह सके कि सरकार ने हमें जमीन या भवन निर्माण के लिए पैसे नहीं दिए हैं।

विधायक धर्मजीत सिंह बीजेपी में शामिल

रिटायर्ड आईएफएस एसएसडी बड़गैया ने भी जॉइन की भाजपा

रायपुर/भारत भास्कर। मुंगेली जिले के लोरमी से जनता कांग्रेस के विधायक धर्मजीत सिंह रविवार को भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए हैं। उनके अलावा रिटायर्ड आईएफएस एसएसडी बड़गैया और धर्मेंद्र गिरी गोस्वामी ने भी भाजपा का दामन थाम लिया है। इन्हें प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने पार्टी की सदस्यता दिलाई। भाजपा में शामिल होने के बाद धर्मजीत सिंह ने कहा- कांग्रेस को हराना है, कमल खिलाना है। सिंह ने कहा-मैंने 2016 में कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था। उसके बाद अजीत जोगी के साथ मिलकर हमने नई पार्टी बनाई। जिसमें हमारे पांच विधायक जीते थे और 11% वोट मिला था, लेकिन जोगी जी के निधन के बाद परिस्थितियों कुछ बदली। इसके बारे में आप स्वयं जानते हैं मुझे एक राष्ट्रीय पार्टी, जिसमें नरेंद्र मोदी जी जैसे नेता हैं, भारतीय जनता पार्टी जो देश के लिए समर्पित हैं। गरीबों की सेवा कर रहे हैं, दुश्मनों का मुंह तोड़ रहे हैं, ऐसे नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी में मैं आज शामिल हुआ हूं। वहीं उनसे जब पूछा गया कि क्या लगता है इस बार राज्य में भाजपा की सरकार बनेगी, तब उन्होंने जवाब दिया। प्रदेश में शराब बंदी हुई क्या, प्रदेश में कानून व्यवस्था है क्या, सड़कों की हालत खराब है। हमने कई बार कई सरकारों को देखा है, सबको लगता है हमारी सरकार आएगी। मगर ये नहीं होगा अब, 70-75 की बात भूल जाओ, अब सरकार बचाने की बात सोचो भाजपा की सरकार बनेगी। मुख्यमंत्री के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि ये तो चुनाव बतायेगा कि किसका बुढ़ापा खराब होने वाला है। कई दिनों से इस बात की चर्चा थी कि धर्मजीत सिंह भाजपा का रुख अपना सकते हैं। विधानसभा में भी वह अक्सर भारतीय जनता पार्टी के विधायकों के साथ ही नजर आते थे

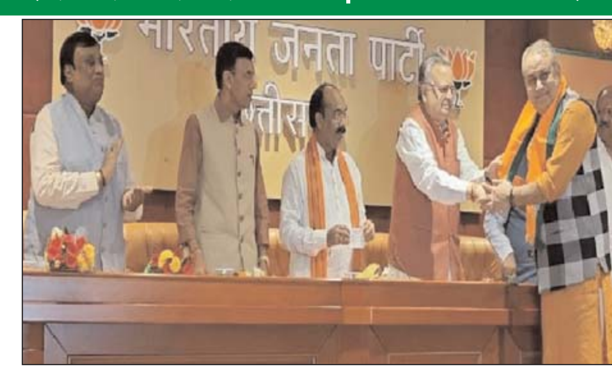

और उन्हें की तरह सरकार पर हमला बोलते थे। आखिरकार रविवार को उन्होंने भाजपा जॉइन कर ली है। उधर, धर्मजीत सिंह के भाजपा में शामिल होने के बाद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का बयान भी सामने आय है। उन्होंने कहा- धर्मजीत सिंह को लोरमी की जनता पर विश्वास नहीं रहा। उनको पता है कि लोरमी में उनकी हालत ठीक नहीं है, इसलिए दूसरी सीटों की तरफ जा रहे हैं। धर्मजीत सिंह पहले कांग्रेस में थे फिर जोगी कांग्रेस में गये और अब बीजेपी में जा रहे हैं, वे अपना बुढ़ापा खराब कर रहे हैं।

पिछले साल तक धर्मजीत सिंह जनता कांग्रेस के विधायक थे, तब अमित जोगी ने कहा था, धर्मजीत जी उनके चाचा थे। लेकिन बड़े दुखी मन से उनके खिलाफ यह फैसला लेना पड़ा है। अमित जोगी ने कहा था कि विधायक धर्मजीत सिंह लगातार अन्य दल के संपर्क में रहकर अपने निजी स्वार्थ का ताना बाना बुनने में लगे रहे हैं। इन शिकायतों के संदर्भ में, पूर्व में अनेकों बार विधायक धर्मजीत सिंह के साथ चर्चा भी की गई पर उनके आचरण और विचार में कोई बदलाव नहीं आया। धर्मजीत सिंह जिस पार्टी के चिन्ह पर चुनाव जीते और विधायक बने। उसी पार्टी की नीतियों को त्यागने और छत्तीसगढ़वाद की क्षेत्रीय विचारधारा को मिटाने का प्रयास करने के कारण उन्हें 6 साल के लिए पार्टी से निष्कासित किया गया है। यह भी आशंका थी धर्मजीत सिंह पार्टी का ही भाजपा में विलय करा देंगे। पता चला तो पार्टी ने कार्रवाई करते हुए अपने विधायक दल के नेता धर्मजीत सिंह को ही पार्टी से 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया था।

शरद पवार ने कहा भाजपा के साथ कभी नहीं जाऊंगा

मुंबई/ एजेंसी। महाराष्ट्र के सांगोला में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के संस्थापक शरद पवार ने राज्य के मुख्यमंत्री अजित पवार के साथ हुई सीक्रेट बैठक को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि कुछ शुभचिंतक मुझे मनाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन मैं भाजपा के साथ कभी नहीं जाऊंगा। अजित पवार के साथ मेरी मुलाकात गुप्त नहीं है। वह मेरे भतीजे हैं और मैं परिवार का सबसे वरिष्ठ सदस्य हूं। इससे पहले शरद पवार और राकांपा के बागी गुट का नेतृत्व कर रहे अजित पवार के बीच पुणे में बैठक से महाराष्ट्र में राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गईं थीं। इस पर राकांपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष जयंत पाटिल ने कहा कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं है कि पार्टी संस्थापक और उनके भतीजे के बीच क्या बातचीत हुई और यह कोई गोपनीय बैठक नहीं थी। शरद पवार के पोते और राकांपा विधायक रोहित पवार ने भी कहा कि उन्हें भी ऐसी किसी मुलाकात की जानकारी नहीं है, लेकिन अगर मुलाकात हुई है, तो भी परिवार में संवाद बनाए रखने में कुछ भी गलत नहीं है। मामले में जब राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से पूछा गया तो उन्होंने इस तरह की किसी भी बैठक की कोई जानकारी होने से इनकार किया। भाजपा नेता ने कहा कि मैं आपको कोई जानकारी नहीं दे सकता। सूत्रों के मुताबिक, शरद पवार और अजित पवार ने शनिवार को पुणे में एक कारोबारी के आवास पर मुलाकात की थी। बताया गया कि शरद पवार शनिवार दोपहर में करीब एक बजे कोरेगांव पार्क क्षेत्र में कारोबारी के आवास पर पहुंचे थे। वे शाम करीब पांच बजे वहां से चले गए। इसके लगभग दो घंटे के बाद शाम पौने सात बजे अजित पवार को भी परिसर से बाहर निकलते देखा गया।

पिछले महीने हुई थी बगावत- इससे पहले महाराष्ट्र में पिछले महीने अजित पवार ने शरद पवार से बगावत कर ली थी। उन्होंने शिवसेना-भाजपा की सरकार में शामिल होने का फैसला किया था और उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। अजित पवार के साथ उनके समर्थक आठ राकांपा विधायकों ने भी मंत्री पद की शपथ ली थी।

छत्तीसगढ़ के दो स्टेशनों का होगा कायाकल्प...

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अमृत भारत योजना से देशभर के 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास (कायाकल्प)की आधारशिला रखी है।

जिसमें हमर छररिसगढ़ के दो स्टेशनों के भी समावेश है।अमृत भारत योजना से रायपुर का 470 करोड़ तथा बिलासपुर का 465 करोड़ अर्थात कुल 935 करोड़ रुपए से कायाकल्प किया जावेगा।इन सभी रेलवे स्टेशनों के एयरपोर्ट की तर्ज़ पर कायाकल्प किया जावेगा।इस योजना में रायपुर, पावरहाउस, दुर्ग, तिल्दा नेवर, महासमुंद, बिलासपुर, अकलतरा स्टेशन भी शामिल हैं। इन स्टेशनों के सम्पूर्ण री-डेवलपमेंट स्तानीय कला व संस्कृति के आधार पर बाह्य स्वरूप तथा भीतरी कायाकल्प परियोजना में मूर्त रूप लेगी।

तांदुला जलाशय इको फ्रेंडली टूरिज़्म पार्क का स्वरूप लेगा...

हमर छत्तीसगढ़ के बालोद ज़िले में तांदुला जलाशय प्रकृति की गोद में प्राकृतिक वादियों में बसा है।बरसों से सैलानियों के आकर्षण का केंद्रबिंदु रहा है।अब इसी तांदुला जलाशय को इको फ्रेंडली टूरिज़्म पार्क में ढाला जाने वाला है।तांदुला जलाशय ज़िले की जीवनदायिनी तांदुला नदी पर स्थित है।इको फ्रेंडली टूरिज़्म पार्क विकसित करने का काम अब लगभग पूर्णता की ओर है।इसके विकास में पर्यटन की दृष्टि से सैलानियों की सुगमता के लिए

आवागमन मार्ग,रेस्टोरेंट,सैलानियों के ठहरने कॉटेज,वाटर बॉडी,मचान,टें हाउस,स्थानीय लोगों के रोज़गार के वास्ते विभिन्न स्टॉल और छत्तीसगढ़ ही नहीं दूसरे राज्यों के पर्यटकों के लिए भी आकर्षण का केंद्र बनेगा।इसके आसपास विस्तृत हरी-भरी फूलदार वादियां तांदुला जलाशय के आकर्षण में बढोत्तरी करती है।

लोरमी के विधायक धर्मजीत सिंह भाजपा में शामिल...

हमर छत्तीसगढ़ में विधानसभा के चुनाव बेहद निकट हैं।ऐसे में राजनीतिक फेरबदल होने लगे हैं। लोरमी विधानसभा के वरिष्ठ विधायक धर्मजीत सिंह ने पाला बदलकर भाजपा का दामन थाम लिया है।कुशा भाऊ ठाकरे परिसर में पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमनसिंह एवं प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव व भाजपा के नेताओं की उपस्थिति में लोरमी के सैकड़ों कार्यकर्ताओं के संग भाजपा में प्रवेश किया। भाजपा ने इन सभी का जोरदार स्वागत किया।

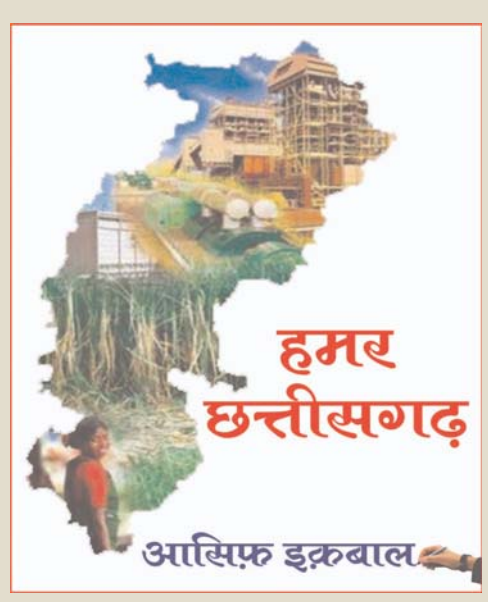

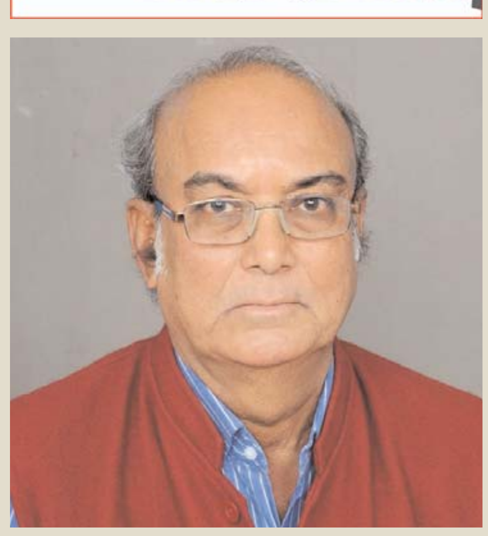

छत्तीसगढ़ के 3 पुलिस अफसरों को केंद्रीय गृहमंत्री पदक...

हमर छत्तीसगढ़ के तीन पुलिस अफ्सरों को केंद्रीय गृहमंत्री पदक से अम्मानित होने का गौरव मिला है।स्टील सिटी के मुताबिक मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू एवं डीजीपी अशोक जुनेजा ने तीनों को बधाई व शुभकामनाएं देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

छत्तीसगढ़ के कुछ जिलों के हिस्से में भूकंप के झटके...

हमर छत्तीसगढ़ के कुछ जिलों के हिस्सों में 4.7 तीव्रता से भूकंप के झटके महसूस किए गए।इससे जनहानि तो नहीं हुई लेकिन घरों की दीवारों में दरार ज़रूर देखने मिली है।कोरबा का पसान भूकम्प का केंद्र माना जा रहा है।सूरजपुर ज़िले के कुछ हिस्से भी कम्पन से प्रभावित हुए हैं।बताते है सुबह 9 बजे के करीब भूकम्प के झटके लगे तो लोग घबराकर घरों से निकलकर सड़क पर निकल आये थे।मालूम रहे कि एक महीने पहले भी सरगुजा सम्भाग में भूकम्प के झटके महसूस किए गए थे।

आशा इक़बाल महिला पत्रकार सम्मान के लिए 05 नामों की घोषणा...

हमर छत्तीसगढ़ में वर्ष 2013 से महिला पत्रकारों को सम्मानित करने का सिलसिला अनवरत चल रहा है।आशा इक़बाल महिला पत्रकार सम्मान के लिए छत्तीसगढ़ की 05 चुनिंदा नामों की घोषणा दैनिक भारत भास्कर के प्रधान संपादक संदीप तिवारी राज एवं वरिष्ठ पत्रकार बी डी निज़ामी ने किया और बताया कि छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ पत्रकार आसिफ इक़बाल की धर्मपत्नी आशा इक़बाल की स्मृतियों को संजोये रखने के लिए महिला पत्रकारों को पत्रकारिता के प्रति प्रोत्साहन देने छत्तीसगढ़ में अपनी तरह का यह एकमात्र सम्मान है।वर्ष 2013 से अब तक 20 महिला पत्रकारों को आशा इक़बाल सम्मान से नवाजा जा चुका है।इन सम्मानित महिला पत्रकार आज भी छत्तीसगढ़ के बड़े प्रिंट मीडिया व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से जुड़कर पत्रकारिता में भागदारी निभा रही हैं।संदीप तिवारी ने बताया कि इस वर्ष 2023 के उत्तरा विदानी (महासमुंद), निशा मसीह (रायगढ़), प्रीति (लक्ष्मी) सोनी (बिक़सपुर), शुभ्रा नन्दी (रायपुर) तथा अनुभूति भाकरे ठाकुर (भिलाई) को 27 अगस्त की रात्रि 7 बजे भिलाई के नेहरू कल्चरल हाउस में आयोजित यादें मुकेश के दौरान सम्मानित किया जावेगा।

हमर छत्तीसगढ़ में दैनिक भारत भास्कर के प्रधान संपादक संदीप तिवारी राज शायर,गायक, अधिवक्ता सहित बहुमुखी प्रतिभा सम्पन्न व्यक्तित्व के धनी हैं। संदीप तिवारी राज फरमाते हैं... //है रौशनी की दरकार तुम्हें तो दिल अपना जलाओ... मिट्टी के दियों से उजाला नहीं होता//

बहुत कुछ कहते हैं आपके फेसबुक स्टेटस

आपकी फेसबुक पोस्ट आपके जीवन का आईना है। आप कितना भी बचाओ, आपके स्टेटस आपके व्यक्तित्व और जीवन की चुगली कर ही देते हैं। शोधकर्ताओं की एक टीम ने एक अध्ययन में बताया कि आपके फेसबुक अपडेट्स आपके बारे में बहुत कुछ कहते हैं। इस शोध के तहत 555 युवाओं का ऑनलाइन सर्वे किया गया। इसमें वे शामिल थे जो फेसबुक के नियमित यूजर्स हैं। उनकी फेसबुक अपडेट्स का अध्ययन किया और उनके व्यक्तित्व को परिभाषित किया।

बहिर्मुखी व्यक्तित्व

जो लोग लगातार हर सामाजिक घटना या अजीबो-गरीब व्यक्तियों पर पोस्ट्स डालते रहते हैं वो मूलतः बहिर्मुखी लोग होते हैं।

ओपन इंडिविजुएल्स

ये ऐसे लोग हैं जो अपनी व्यक्तिगत सूचनाएं लोगों से बांटने में ज्यादा रूचि नहीं रखते हैं। हां ऐसे लोग प्रारंभिक तौर पर अपने अपडेट्स में घटनाओं, शोध और राजनीतिक विचार पोस्ट करते हैं।

आत्ममुग्ध व्यक्तित्व

ये ऐसे लोग हैं जो खुद को बेहद प्यार करते हैं। ये अक्सर अपने स्टेटस में अपने डेली रूटीन, डाइट और एक्सरसाइज के बारे में जानकारी देते हैं। वे अक्सर ऐसी जगहों और घटनाओं के बारे में जानकारी देते हैं, जिनसे उनका व्यक्तिगत महत्व सिद्ध हो।

अल्प आत्मविश्वासी

यदि आप या आपका कोई दोस्त लगातार अपने रोमांटिक पार्टनर के बारे में स्टेटस अपडेट कर रहा है तो समझ लीजिए कि आत्मविश्वास की कमी है।

जिम्मेदार प्राणी

शोधकर्ताओं ने बताया कि जो लोग अपने परिवार और अपने दोस्तों के बारे में ज्यादा पोस्ट करते हैं, वे मूलतः जिम्मेदार किस्म के लोग होते हैं। कुल मिलाकर इस शोध का निष्कर्ष ये रहा है कि फेसबुक पर जो लोग अपने रिश्तों से संबंधित जानकारी पोस्ट करते रहते हैं, वे मूलतः असुरक्षित मानसिकता के लोग हुआ करते हैं। वे ऐसा समझते हैं कि ऐसा करके वे अपने रिश्ते पर दावा कर रहे हैं। अब आप अपने दोस्तों की और खुद अपनी स्टेटस अपडेट्स से उनका और खुद अपने व्यक्तित्व को जान सकते हैं।

पॉजिटिव एटिट्यूड के साथ ऐसे बढ़े करियर में आगे

कैंपस के चार साल का समय तपस्या से भरा होता है। इसे अगर आपने ठीक से यूटिलाइज किया तो आने वाले 40 साल या उससे आगे बेहतरीन जिंदगी जिएंगे। लेकिन ये चार साल गंवा दिए तो शायद जीवन भर मीडियोकर ही रहेंगे। परेशानियों से घिरे रहेंगे। जितने अच्छे ढंग से समय को यूटिलाइज करेंगे, जीवन में उतना ही बेहतर करेंगे।

स्वॉट एनालिसिस कर लें

असफलता मिले तो हताश न हों, इससे कुछ नहीं होता। हमेशा पॉजिटिव एटिट्यूड बनाए रखें और मन में यह भाव रहे कि आई कैन डू इट। सेल्फ असेसमेंट और स्वॉट (स्ट्रैंथ्स, वीकनेसेज, अपॉर्च्युनिटीज, थ्रेट्स) एनालिसिस हर किसी को करनी चाहिए।

सीमलेस एजुकेशन का दौर

आजकल सीमलेस एजुकेशन पर जोर दिया जा रहा है, जिससे स्टूडेंट का समग्र विकास हो सके। यूजीसी ने भी एक च्वॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम अपनाने पर जोर दिया है। इसमें होता यह है कि जो स्टूडेंट अपने विषय की पढ़ाई के अलावा कोई और हॉबी या रुचि रखता है, उसे वही करने का मौका दिया जाता है। जैसे अगर कोई रेगुलर सब्जेक्ट्स के अलावा म्यूजिक सीखना या फिलॉसफी पढ़ना चाहता है तो उसे ऐसा करने की सुविधा दी जानी चाहिए।

डिजिटल के साथ

आजकल डिजिटल लर्निंग का जमाना है। ज्यादातर प्रोफेशनल स्टडीज में सभी क्लासेज में स्मार्ट बोर्ड हुआ करते हैं। बायोमेट्रिक अटेंडेंस होती है, जिसको पैरेंट्स भी ऑनलाइन एक्सेस कर सकते हैं। क्लास की टीचिंग का मॉडल ऑनलाइन होता है और इसे भी पैरेंट्स चेक कर सकते हैं कि उनके बच्चे का कहां तक, कितना प्रोग्रेस हुआ है। हर 10-12 बच्चों पर एक मेंटोर निर्धारित किया जाता है, जो प्राइवेट काउंसलिंग से लेकर एजुकेशन से जुड़ी काउंसलिंग और रिजल्ट एनालिसिस व अन्य गाइडेंस देता है, ताकि बच्चे का समग्र विकास हो सके।

रेग्यूलर और ऑनलाइन एमबीए में क्या अंतर है

यदि कोई कहे कि उसने एमबीए किया है तो आपको कैसा महसूस होगा? आप उससे प्रभावित होंगे। लेकिन यदि कोई यह कहे कि उसने ऑनलाईन एमबीए किया है तब? तब उसका प्रभाव आप पर से पूरी तरह से उतर चुका होगा। हालांकि इससे क्या फर्क पड़ना चाहिए कि किसी ने कैसे एमबीए किया है, जब तक कि उसकी डिग्री उसकी जॉब प्रोफाइल से मैच करती हो। केवल कंडिडेट ही यह बता सकता है कि वह अपनी डिग्री से संतुष्ट है या नहीं?

जिन लोगों ने खुद को रेग्यूलर एमबीए प्रोग्राम के लिए किसी प्रतिष्ठित बी-स्कूल में एडमिशन लिया तो किसी और के लिए यह ईर्ष्या का विषय हो सकता है। लेकिन अब ये विचार पुराना पड़ चुका है। ऑनलाइन एमबीए प्रोग्राम भी उतना ही अच्छा है, जितना रेग्यूलर, शर्त यह है कि किसी प्रतिष्ठित बिजनेस इंस्टीट्यूट से किया जाए। इन दिनों कंपनियां भी यह मानने लगी है कि ऑनलाइन एमबीए से भी अच्छे मैनेजमेंट ग्रेजुएट्स आ रहे हैं जो बिजनेस को नए आयाम देने में सक्षम हैं। जो लोग फुल टाइम एमबीए कर पाने की स्थिति में नहीं है, उनके लिए ऑनलाइन एमबीए अच्छा विकल्प है। दोनों ही प्रोग्राम जरूरत, प्राथमिकता और परिस्थिति के आधार पर चुने जा सकते हैं। यदि आपके पहले से ही काम कर रहे हैं और आपके पास अपने परिवार की भी जिम्मेदारी है कुल मिलाकर समय की कमी है फिर भी आप एमबीए करना चाहते हैं तो आप ऑनलाइन एमबीए कर सकते हैं। दूसरी तरफ यदि आपके पास समय भी है और उम्र भी कम ही है और एक करियर फील्ड से दूसरे करियर फील्ड में जाना चाहते हैं तो रेग्यूलर एमबीए करना एक अच्छा निर्णय होगा। इसलिए कौन-सा एमबीए करना चाहिए, यह तो आपकी सुविधा पर निर्भर करता है। यह बात सही है कि ज्यादातर लोग रेग्यूलर एमबीए करना चाहते हैं। बात परिस्थितियों पर आकर अटक जाती है। इन दिनों युवाओं के बीच ऑनलाइन एमबीए दिन-ब-दिन लोकप्रिय होता जा रहा है। इससे पहले कि आप रुककर सोचें कि आपको ऑनलाइन एमबीए करना चाहिए या फिर रेग्यूलर, कुछ सवालों के जवाब आप अपने आप को दें।

ऑनलाइन एमबीए करने से पहले

- **करियर के लिए आपका लक्ष्य क्या है?**

यदि आप अपने करियर में ऐसा जगह आकर फंस गए हो कि आगे ग्रोथ के अवसर खत्म हो गए हैं और आप न तो नौकरी छोड़ने की स्थिति में हैं और न ही उसके साथ कोई समझौता करना चाहते हैं, आपके सामने परिवार भी है, तो इस बात की जांच पड़ताल कर लें कि आपकी वर्तमान कंपनी किस तरह के एमबीए ग्रेजुएट्स को रिक्रूट कर रही है? इस आधार पर ही फैसला लें।

- **क्या यह आपकी जरूरत और मांग को पूरा करता है?**

आपको यह जानने की जरूरत है कि ऑनलाइन एमबीए प्रोग्राम आपको उसी तरह की फेकल्टी, करिकुलम और अवसर उपलब?ध करवा रहा है जैसी कि रेग्यूलर एमबीए को। यदि ऐसा नहीं है तो आपको अपने निर्णय पर फिर से विचार करना चाहिए।

- **क्या यह आपके लिए सचमुच सुविधाजनक है?**

कुछ ऑनलाइन एमबीए प्रोग्राम या तो राज्य से बाहर होते हैं या फिर देश से ही बाहर। आपके लिए यह जरूरी हो जाता है कि क्लासेस अटैंड करने के लिए आपको छुट्टी लेनी पड़ सकती है। क्या आप इसके लिए तैयार हैं?

रेग्यूलर एमबीए करने से पहले

- **आपके करियर के लक्ष्य क्या है?**

क्या आप बदलाव चाहते हैं या फिर किसी दूसरे क्षेत्र में जाकर अपनी किस्मत आजमाना चाहते हैं? इसके साथ ही यदि आपके साथ समय और उम्र भी है तो आप रेग्यूलर एमबीए कर सकते हैं।

- क्या आप अच्छे पर्सेन्टाइल से एमबीए इंट्रेंस एक्जाम क्रैक कर सकते हैं?
- वो कौन से विषय हैं, जिनमें आपने अच्छे नंबर हासिल किए और कौन से विषय ऐसे हैं जो अब भी आपको डराते हैं? स्कूल व ग्रेजुएशन स्तर दोनों पर...?
- आपकी रुचि का क्षेत्र कौन-सा है ताकि आप उससे अपनी एमबीए की स्ट्रीम चुन सकें।

फायदे ऑनलाइन एमबीए प्रोग्राम के

घर में ही पढ़ाई

इसमें आप बिना अपनी नौकरी और जिम्मेदारी छोड़े, अपने ही घर में पढ़ाई करके वही डिग्री हासिल कर सकते हैं, जो दूसरे क्लासेस अटैंड करके प्राप्त करते हैं।

फ्लैक्सिबिलिटी

ऑनलाइन एमबीए प्रोग्राम में आप अपने जीवन में बिना किसी बदलाव के अपने करियर को मनचाही दिशा में ले जा सकते हैं।

रिसोर्सेज

प्रतिष्ठित ऑनलाइन एमबीए प्रोग्राम में भी करियर काउंसलिंग, मैंटोरशिप और नेटवर्किंग अपॉर्च्युनिटी जैसे उन्हीं सब संसाधनों का प्रयोग कर सकते हैं जो रेग्यूलर कोर्सेस में किए जा सकते हैं।

अफोर्डेबिलिटी

हर समय में ऑनलाइन एमबीए कार्यक्रम किसी भी रेग्यूलर कार्यक्रम की तुलना में हमेशा ही अफोर्डेबल हुआ करता है।

फायदे रेग्यूलर एमबीए प्रोग्राम के

करियर में बदलाव

क रेग्यूलर एमबीए आपके करियर में बदलाव के लिए बेहतर पृष्ठभूमि का निर्माण करता है। किसी खास स्ट्रीम में स्पेशलाइजेशन आपको कई दूसरी इंडस्ट्रीज में काम दिलवाने में भी महत्वपूर्ण सिद्ध हो सकता है।

नेटवर्किंग

रेग्यूलर एमबीए के दौरान के एकेडमिक सेशन में आप जिस तरह की सोशल नेटवर्किंग करते हैं, वह लंबे समय में आपके करियर के लिए लाभदायक सिद्ध होगी।

उद्यमशीलता

यदि आप अपना बिजनेस शुरू करने के बारे में सोच रहे हैं तो आप जरूरी कौशल और व्यावहारिक ज्ञान रेग्यूलर एमबीए करते हुए पा सकते हैं। इससे आपको अपना व्यापार शुरू करने में कम दिक्कत का सामना करना पड़ेगा।

इस तरह बना सकते हैं सॉफ्टवेयर टेस्टिंग में करियर

कोई सॉफ्टवेयर तैयार होने के बाद इसकी गुणवत्ता, तकनीकी क्षमता और उसकी स्टैबिलिटी को परखने का एक महत्वपूर्ण काम होता है। इस काम को सॉफ्टवेयर टेस्टर पूरा करता है। सॉफ्टवेयर टेस्टिंग में बढ़ते मार्केट की वजह से यह एक उम्दा क्षेत्र के रूप में उभर रहा है और इसमें काफी स्कोप देखा जा रहा है।

योग्यता

कम्प्यूटर एजुकेशन देने वाले देश में प्रमुख संस्थान सॉफ्टवेयर टेस्टिंग में डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स मुहैया कराते हैं। इसके अलावा, इंटरनेशनल सॉफ्टवेयर टेस्टिंग क्वालिफिकेशन बोर्ड द्वारा एक अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त कोर्स उपलब्ध है, जो देश के साथ-साथ विदेश में नौकरी दिलाने में सहायक होता है। आमतौर पर सॉफ्टवेयर टेस्टिंग कोर्स में एडमिशन के लिए कई संस्थान बीएससी, बीसीए, एमएससी, बीई, बीटेक, एमई, एमटेक जैसी डिग्री की डिमांड करती है।

स्किल्स

सॉफ्टवेयर टेस्टर को टेक्नोलॉजी के साथ-साथ बिजनेस की भी अच्छी समझ होनी चाहिए। ऐसा होने पर ही टेस्टर बेहतर और बारीकी से अपना काम कर सकता है। टेस्टर के लिए सभी आवश्यकताओं का ठीक तरह से आकलन करना जरूरी होता है। इसके बाद टेस्टिंग की कार्ययोजना तैयार करना, उनका क्रियान्वयन करना, दोष व खतरे को तलाशना, उनकी रिपोर्ट तैयार करना टेस्टर की ही जिम्मेवारी होती है। इतना ही नहीं, एप्लिकेशन से जुड़े संभावित जोखिमों के बारे में आगाह करना भी टेस्टर का ही काम होता है।

प्रमुख संस्थान

- डाटाप्रो कंप्यूटर प्रा.लि, विशाखापत्तनम
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ सॉफ्टवेयर टेस्टिंग, कोयंबटूर
- अन्ना यूनिवर्सिटी, चेन्नई
- एसक्यूटीएल इंटीग्रेटेड सोल्यूशंस प्रा.लि, पुणे
- पीक्यूआर सॉफ्टवेयर
- त्यागराज कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, मदुरै
- क्रेसटेक

ये हैं मौके

मैकिंजे ऐंड कंपनी द्वारा वर्ष 2025 तक की संभावनाओं पर जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि मौजूदा तेजी, टैलेंट और इंफ्रास्ट्रक्चर की आपूर्ति के दम पर भारतीय आईटी इंडस्ट्री का निर्यात कारोबार 2025 तक 178 अरब डॉलर का हो जाएगा। घरेलू कारोबार की हिस्सेदारी 2025 तक 50 अरब डॉलर का हो जाएगा। भारत की कई आईटी सॉफ्टवेयर कम्पनियां नई भर्ती कर रही हैं। टीसीएस, विप्रो, सत्यम, इन्फोसिस, कॉग्निजंट आदि प्रमुख हैं, जहां एक बेहतर करियर की उम्मीद की जा सकती है।

सार-समाचार

जिला किसान मोर्चा के अध्यक्ष बने- समाज सेवी ओमप्रकाश शर्मा

भारत भास्कर से राधेश्याम कोरी की खास रिपोर्ट/ बिलासपुर -: आमआदमी पार्टी के द्वारा किसान भाइयो की समस्या को हल करने की जिम्मेदारी ओम प्रकाश शर्मा समाजसेवी लखराम को दी गई हैं अत: सभी किसान भाई अपनी समस्या से अवगत करा सकते हैं जिससे आपकी आवाज बनकर आप लोगो की बात सरकार के समक्ष रख सकेगा।

वेदी पूजन के साथ शुरू हुई भागवत कथा

भारत भास्कर से राधेश्याम कोरी की खास रिपोर्ट/ बिलासपुर -: बेलगहना के समीपस्थ ग्राम सोनपुरी में तिवारी परिवार के समायोजन में श्रीमद भागवत कथा का शुभारंभ हुआ जिसमे कथा चंचरीक पंडित अभिषेक अरुण महाराज बाम्हू वाले ने अपने व्यक्तव्य में बतलाया कि भाग्य से मनुष्य तन की प्राप्ति होती है और सौभाग्य से कथा सत्संग की प्राप्ति होती है और परम् सौभाग्य से भगवान के चरणारविन्द की प्राप्ति होती हैं। हमारा परम् ध्येय होना चाहिए कि हम अन्ततो गत्वा भगवान के दिव्या अतिदिव्य चरणों को प्राप्त कर ले जिसमे हमारा जीवन रूपी यज्ञ सफल एवं परिपूर्ण हो जावे ओर आने वाली पीढ़ी उससे अपना मार्गदर्शन प्राप्त कर सके।

जिले में प्रशासनिक व्यवस्था के दृष्टिकोण से प्रशासनिक अधिकारियों की गई नई पदस्थापना

कोरबा। कलेक्टर सौरभ कुमार ने प्रशासनिक व्यवस्था के दृष्टिकोण से जिले में पदस्थ राज्य प्रशासनिक अधिकारियों की नई पदस्थापना करते हुए आगामी आदेश पर्यन्त तक कार्य आबंटित किया है। जिसके अंतर्गत डिप्टी कलेक्टर सुरिचा सिंह को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व व अनुविभागीय दण्डाधिकारी कटघोरा का दायित्व सौंपा गया है। साथ ही उन्हें अनुविभाग कटघोरा का भू-अर्जन अधिकारी, पंजीयन लोक न्यास (रजिस्ट्रार पब्लिक ट्रस्ट), सक्षम प्राधिकारी छत्तीसगढ़ लोक परिसर बेदखली अधिनियम 1974, सहायक सत्कार अधिकारी सहित समय-समय पर सौंपे गए अन्य कार्यों की जिम्मेदारी दी गई है। इसी प्रकार डिप्टी कलेक्टर सुरूचि शार्दुल को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व व अनुविभागीय दण्डाधिकारी पाली के रूप में पदस्थ किया गया है। उन्हें अनुविभाग पाली का भू-अर्जन अधिकारी, पंजीयन लोक न्यास (रजिस्ट्रार पब्लिक ट्रस्ट), सक्षम प्राधिकारी छत्तीसगढ़ लोक परिसर बेदखली अधिनियम 1974, सहायक सत्कार अधिकारी सहित समय-समय पर सौंपे गए अन्य कार्यों की जिम्मेदारी दी गई है।

ईपैक ड्यूरेबल लिमिटेड ने सेबी के समक्ष दाखिल किया ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी)

रायपुर। ईपैक ड्यूरेबल्स लिमिटेड (कंपनी) ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI) के समक्ष अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (DRHP) दायर किया है। F&S रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी रूम एयर कंडीशनर की ओरिजिनल डिजाइन मेन्यूफेक्चरर्स (ओडीएम) में सबसे तेजी से बढ़ने वाली कंपनी के तौर पर प्रतिष्ठित है (भारत में वित्तीय वर्ष 2020 और 2023 के बीच निर्मित मात्रा में वृद्धि के आधार पर मूल डिजाइन निर्माता)। कंपनी इक्विटी शेयरों (अंकित मूल्य 10 प्रत्येक) के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के माध्यम से धन जुटाने की योजना बना रही है। इस ऑफर में कुल मिलाकर 400 करोड़ तक के इक्विटी शेयरों का नया इश्यू (फ्रेश इश्यू) और बेचने वाले शेयरधारकों द्वारा 13,067,890 इक्विटी शेयर तक की बिक्री की पेशकश (ऑफर फॉर सेल) शामिल है।

बच्चे राष्ट्र की संपत्ति है, जो देश के भविष्य को आकार देगें उनकी सुरक्षा और संरक्षण की आवश्यकता है- न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा, मुख्य न्यायाधीश

भारत भास्कर से राधेश्याम कोरी की खास रिपोर्ट/ बिलासपुर -: छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण एवं छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक एकेडेमी के सहयोग से उच्च न्यायालय के ऑडिटोरियम में आयोजित विधि के साथ संघर्षरत बच्चों के अपराध निवारण, पुनर्स्थापनात्मक न्याय, परिवर्तन एवं उनके निरोध के विकल्प विषय पर आयोजित 8वें राज्य स्तरीय कन्सलटेशन के शुभारम्भ समारोह को मुख्य आतिथ्य से सम्बोधित करते हुये मुख्य न्यायाधीश माननीय न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा ने कहा कि बच्चे राष्ट्र की संपत्ति है, जो देश के भविष्य को आकार देगे। समाज के जिम्मेदार सदस्यों के रूप में हमें उनकी सुरक्षा और संरक्षण के लिए हरसंभव प्रयास करने की आवश्यकता है। उन्होंनें कहा कि किशोरों को अपराध करने से रोकना समाज में अपराध की रोकथाम का एक अनिवार्य हिस्सा है तथा पुनर्वास प्रक्रिया इतनी ठोस हो सकती है कि उन्हें दोबारा विधि के साथ संघर्ष में आने से रोका जा सके। राज्य की भूमिका उस बच्चे के माता-पिता के रूप में कार्य करना है जिसे पुनर्वास की आवश्यकता है तथा इसकी कार्यवाही बच्चे के सर्वोत्तम हित में होनी चाहिए। हमारे बच्चों को स्कूली शिक्षा के प्रारंभ से ही नैतिक एवं मूल्य आधारित शिक्षा देना आवश्यक है। बाल संरक्षण गृहों में भी यह आवश्यक है कि हम अपने बच्चों को समाज का उपयोगी सदस्य और देश का जिम्मेदार नागरिक बनाने के लिए रचनात्मक गतिविधियों में संलग्न करें।

उन्होने आशा तथा विश्वास व्यक्त की कि आज का परामर्श कार्यक्रम बेहद सफल होगा और बच्चों के लिए एक हिंसा मुक्त समाज की स्थापना तथा प्रचार-प्रसार में काफी सहायता मिलेगी, जहां वे अपने बचपन का आनंद लेने के लिए स्वतंत्र होंगे।

कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यपालक अध्यक्ष माननीय न्यायमूर्ति गौतम भादुड़ी ने कहा कि किशोर न्याय अधिनियम के क्रियान्वयन में हमें अथक प्रयास की आवश्यकता है। हमें अपने स्वयं का उदाहरण लेते हुए बाल अपराधियों की मानसिक स्थिति को समझना चाहिये क्योंकि हम भी कभी बच्चे थे। बच्चे भगवान के उपहार हैं। उनको सही दिशा देकर समाज में कर्तव्यनिष्ठ व्यक्ति बना सकते हैं। ईश्वर की असीम कृपा से हम इतने काबिल हैं कि हमें उन बच्चों की प्रगति के लिए अथक प्रयास करना चाहिए।

कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक एकेडमी के अध्यक्ष माननीय न्यायमूर्ति संजय के. अग्रवाल ने कहा कि पं. जवाहर लाल नेहरू ने बच्चों को देश का भविष्य बताते हुए उनकी एक कविता का उल्लेख किया। उन्होंने आगे कहा कि भारत देश का भविष्य आज के बच्चें ही हैं। अत: उनके भविष्य के लिए हमें अथक प्रयास करते हुए महत्वपूर्ण कदम उठाने चाहिए, जो समाज को एक नया आयाम प्रदान करेगा। अत: में उन्होंने बच्चों पर एक शेर पढ़ा।

कार्यशाला का स्वागत उद्बोधन छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के किशोर न्याय सेल के अध्यक्ष माननीय न्यायमूर्ति अरविंद सिंह चंदेल द्वारा कहा गया कि बच्चे विभिन्न कारणों विधि का उल्लंघन करने में आ सकते हैं। साक्ष्य दर्शाता है कि इनमें से अधिकांश बच्चे वंचित पृष्ठभूमि से आते हैं तथा ये ऐसे बच्चे भी हैं जिन्हें देखभाल एवं सुरक्षा की आवश्यकता है। यह अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय विधिक ढांचे द्वारा बच्चों को दी जाने वाली विशेष सुरक्षा के साथ रोकथाम, पुनर्वास तथा पुनर्स्थापनात्मक न्याय प्रथाओं पर ध्यान केंद्रित करने तथा किशोर न्याय अधिनियम के न्याय एवं सुरक्षा प्रावधानों के मध्य संबंध सुनिश्चित करने का आग्रह करता है। पिछले दशक में समाज में तेजी से आए परिवर्तनो को देखते हुए भारत में बच्चों को दोतरफा सुरक्षा की आवश्यकता है। एक ओर जहां उन्हें बच्चे के उचित पालन-पोषण के लिए पारिवारिक माहौल प्रदान करके उन्हें शारीरिक रूप से बलवान, मानसिक रूप से सतर्क, शैक्षणिक रूप से प्रतिभाशाली बनाने हेतु उनके समग्र विकास के लिए बुनियादी आवश्यकताएं प्रदान की जानी चाहिए। दूसरे पक्ष को उस बच्चे की रोकथाम और उपचार की आवश्यकता है जिसे अपराधी कहा जाता है। कार्यवाही को दो मोर्चों पर क्रियन्वित करने की आवश्यक है।

इस अवसर पर किशोर न्याय समिति द्वारा प्रकाशित पत्रिका नवचेतन का विमोचन किया गया जिसे उच्च न्यायालय की वेब साईट पर अपलोड किया गया ।

शुभारम्भ सत्र में छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के माननीय न्यायमूर्ति पार्थ प्रतीन 2/3 माननीय श्रीमती न्यायमूर्ति रजनी दुबे, माननीय न्यायमूर्ति नरेश कुमार चन्द्रवंशी, माननीय न्यायमूर्ति दीपक कुमार तिवारी, माननीय न्यायमूर्ति सचिन सिंह राजपूत, माननीय न्यायमूर्ति राकेश मोहन पाण्डेय, माननीय न्यायमूर्ति राधाकिशन अग्रवाल एवं माननीय न्यायमूर्ति संजय कुमार जायसवाल विशेष रूप से उपस्थिति थे ।

इसके साथ ही कार्यशाला में उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल अरविंद कुमार वर्मा, विधि विभाग के प्रमुख सचिव रजनीश श्रीवास्तव, उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार विजिलेंस सुधीर कुमार, रजिस्ट्रार (न्यायिक) के. विनोद कुजूर, कम्प्यूटर शाखा के रजिस्टार शक्ति सिंह राजपूत, अन्य रजिस्ट्री के न्यायिक अधिकारी तथा राज्य न्यायिक एकेडमी के अतिरिक्त निदेशक हरीश अवस्थी, श्रीमती गरिमा शर्मा एवं एकेडमी के अन्य न्यायिक अधिकारीगण, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरणके सदस्य सचिव आनंद प्रकाश वारियाल, किशोर न्याय सेल के सचिव देवेन्द्र कुमार, उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति के पूर्व सचिव प्रशांत पराशर उपस्थित रहे ।

विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण में विशेष शिविर का मतदाताओं को मिला लाभ

निर्वाचन कार्य मे लापरवाही पर अभिहित अधिकारी व बूथ लेवल अधिकारियों को दिया गया नोटिस

भारत भास्कर से राधेश्याम कोरी की खास रिपोर्ट/ बिलासपुर -: कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी बिलासपुर संजीव कुमार झा के आदेश एवं एस डी एम बिलासपुर सुभाष सिंह राज के निर्देश पर तहसीलदार अतुल वैष्णव , अतिरिक्त तहसीलदार मुकेश देवांगन , शशिभूषण सोनी , आकाश गुप्ता , नायब तहसीलदार हितेश साहू , ओमप्रकाश चन्द्रवंशी द्वारा विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर मतदान केंद्रों के विसंगतियों को दूर किया गया। दिन भर अभिहित अधिकारी व बूथ लेवल अधिकारी मतदान केंद्रों में उपस्थित रहकर फॉर्म्स लिए है जिन पर कार्यवाही की जा रही है। विदित हो कि विधानसभा निर्वाचन 2023 हेतु मतदाता सूची को अद्यतन किये जाने हेतु 02 अगस्त से 31 अगस्त तक विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण जारी है जिसमे दिनाँक 12 अगस्त , 13 अगस्त , 19 अगस्त व 20 अगस्त को भी अवकाश के दिन भी मतदान केंद्रों में अभिहित अधिकारी एवं बूथ लेवल अधिकारी उपस्थित रहेंगे व मतदाता सूची में जिनका नाम दर्ज नही उनके लिए फॉर्म 6 , विलोपन हेतु फॉर्म 7 व संशोधन हेतु फॉर्म 8 लेंगे। जिसके सत्यापन उपरांत मतदाता सूची अद्यतन का कार्य पूर्ण होगा व अंतिम प्रकाशन 04 अक्टूबर को होगा। नोटिस जारी होने से अधिकारी कर्मचारियों में अपने कार्य को लेकर सतर्कता बरती जा रही है।

कलेक्टर संजीव झा ने ली जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक

अवैध रेत खनन के खिलाफसख्त कार्रवाई के दिए निर्देश

भारत भास्कर से राधेश्याम कोरी की खास रिपोर्ट/ बिलासपुर -: कलेक्टर संजीव कुमार झा की अध्यक्षता में एवं पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह की उपस्थिति में खनिज रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन, भण्डारण पर प्रभावी नियंत्रण एवं रोकथाम के संबंध में चर्चा हेतु जिला स्तरीय टास्कफोर्स की बैठक मंथन सभाकक्ष में संपन्न हुई।

बैठक में कलेक्टर ने विभिन्न विभागों से खनिज चोरी पर की गई कार्रवाई एवं इस संबंध में नियमों एवं प्रावधानों की जानकारी ली। कलेक्टर ने रेत उत्खनन एवं परिवहन के मामलों में खनिज विभाग को रेत चोरी का मामला पुलिस में दर्ज कराने के संबंध में निर्देश दिया गया, जिससे रेत चोरों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई हो सके। कलेक्टर ने वन विभाग को भी वन संरक्षण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज करते हुये ज्यादा से ज्यादा वाहन राजसात करने के निर्देश दिये। अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन में जब्त किये जा रहे वाहनों पर क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी द्वारा परिवहन नियमों के तहत सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिये गये। साथ ही अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) की संयुक्त पेट्रोलिंग टीम गठित कर लगातार रेत अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर निरंतर निगरानी एवं कार्रवाई करने के निर्देश दिये गये। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक ने खनिज विभाग द्वारा किसी भी कार्रवाई हेतु पुलिस दल की आवश्यकता होने पर संयुक्त अभियान की बात कही। बैठक में खनिज विभाग, पुलिस विभाग, परिवहन विभाग, राजस्व विभाग एवं पर्यावरण विभाग ने अपने-अपने विभाग द्वारा अवैध उत्खनन पर कार्यवाही के प्रावधानों के संबंध में जानकारी दी गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह, नगर निगम आयुक्त कुणाल दुदावत, एडीएम आर.ए. कुरूवंशी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी अजय अग्रवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर एवं ग्रामीण), उप वन मण्डलाधिकारी, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) बिलासपुर, कोटा, बिल्हा, तखतपुर एवं मस्तूरी, उप संचालक (ख.प्रशा.) खनिज शाखा, परिवहन अधिकारी, पर्यावरण विभाग एवं खनिज विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

बोल और सुन नहीं पाने वाली शैल की हुई खूब प्रशंसा

मूक बाधिर शैल सिदार ने नेताप्रतिपक्ष श्री खड़गे की बनाई पेंटिंग

जांजगीर-चाम्पा/ नवजीवन मूक बाधिर स्कूल की छात्रा शैल सिदार भले ही सुन और बोल नहीं सकती, लेकिन वह अपनी भावनाओं को बहुत ही कलात्मकता के साथ कैनवास में उकेर सकती है। अपनी सुंदर अभिव्यक्ति को आज भी उन्होंने कुछ इस तरह उकेरा कि देखने वालों ने शैल की बहुत सराहना की। 10वीं की छात्रा शैल ने राज्यसभा में नेताप्रतिपक्ष श्री मल्लिकार्जुन खड़गे जी की बहुत ही खूबसूरत तस्वीर बनाई थीं। कार्यक्रम में शैल ने मुख्य अतिथि श्री मल्लिकार्जुन खड़गे जी को जब यह तस्वीर दी तो उन्होंने भी शैल सिदार की प्रशंसा की और मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल, विधानसभा अध्यक्ष डॉ चरणदास महंत सहित अन्य अतिथियों ने शैल के साथ सामूहिक फ़ोटो भी खिंचवाई। शैल सिदार रंगोली भी बहुत बढ़िया बनाती है।

महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की राह पर

रीपा ने विलुप्त होती कला से रोजगार किया सृजित

सूरजपुर। जिले के केशवनगर ग्राम के आसपास विभिन्न ग्राम पंचायत के महिलाएं जो अपने घरों में सीमित साधनों के साथ जीवन निर्वाह कर रही थी। इनमें कुछ नया कर गुजरने की चाह लिए रोजगार तलाश कर रही थी। कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देशानुसार एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत लीना कोसम के मार्गदर्शन में जिले के केशवनगर ग्राम पंचायत में स्थापित रुरल इंडस्ट्रियल पार्क (रीपा) में बिहान योजना द्वारा गठित महिला स्व सहायता समूह की महिलाओं के द्वारा कालीन निर्माण एवं हथकरघा द्वारा कपड़ा बुनाई का कार्य प्रारम्भ किया गया है। गौरतलब है की ग्राम पंचायत में बुनकर जाति के लोगों के संख्या बहुत ज्यादा है। ये लोग पारंपरिक रूप से कपड़े बुनाई का कार्य करते आ रहे थे, किन्तु धीरे धीरे ग्राम में इस कार्य की करने वाले लोगों के संख्या कम होती गयी एवं बुनाई का काम लगभग विलुप्त सा हो गया। ग्राम पंचायत में छत्तीसगढ़ शासन के महत्वाकांक्षी योजना महात्मा गांधी रूरल इंडस्ट्रियल पार्क (रीपा) केंद्र विकसित होने की खबर सुन कर महिलाओं के पुनः बुनाई संबन्धित कार्य किये जाने की इच्छा जताई। उनके रुचि अनुसार कालीन निर्माण एवं हथकरघा द्वारा कपड़ा बुनाई का कार्य प्रारम्भ किया गया है। हस्तशिल्प बोर्ड द्वारा कालीन निर्माण के प्रशिक्षण प्रदाय किया जा रहा है इस हेतु मैनपाट क्षेत्र से प्रशिक्षित कारीगर द्वारा प्रशिक्षण प्रदाय किया जा रहा है। वही हथकरघा द्वारा कपड़ा बुनाई का प्रशिक्षण जिला हथकरघा कार्यालय जिला सरगुजा के द्वारा प्रदाय किया जा रहा है।

महात्मा गांधी रूरल इंडस्ट्रियल पार्क (रीपा) अंतर्गत कालीन निर्माण की गतिविधि से 15 कालीन निर्माण गतिविधि अंतर्गत सभी महिलाएं 4×6 और 3×6 आकार का कालीन निर्माण कर रही है, और इनमें खास बात यह है कि ये सभी महिला विभिन्न वर्ग समुदाय जैसे (अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, सामान्य वर्ग) व विभिन्न धर्म (हिंदू, मुस्लिम, ईसाई) के हैं और आपस में मिलजुल कर अत्यंत उत्साह के साथ कालीन बुनाई का कार्य कर रहे हैं। जिससे सीधे तौर पर समाज में एकजुट होकर कार्य करने का सकारात्मक संदेश के साथ साथ रीपा योजना से इन्हें हुनर एवं रोजगार के अवसर प्रदान हो रहा है साथ ही ये सभी महिलाएं आर्थिक रूप से मजबूत होकर आत्मनिर्भर बनने की राह में आगे बढ़ रही है। प्रशिक्षण के दौरान ही महिलाओं द्वारा लगभग 45 हजार रुपए से अधिक मूल्य का कालीन निर्माण पूरा कर लिया गया है और लगातार कालीन निर्माण का कार्य किया जा रहा है।

हथकरघा द्वारा कपड़ा बुनाई की गतिविधि में 20 महिलाएं प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं को तौलिया, चादर, साड़ी जैसे कपड़े बुनाई का कार्य सिखाया जा रहा है। यह प्रशिक्षण 6 माह तक प्रदाय किया जाएगा। प्रशिक्षण उपरांत हथकरघा विभाग द्वारा ही तैयार सामाग्री बाई बैक किया जाएगा, जिस हेतु महिलाओं की बुनाई के आधार पर भुगतान किया जाएगा। रीपा अंतर्गत विविध प्रकार की गतिविधियों से जुड़ कर ग्रामीणों को विभिन्न रोजगार के अवसर उपलब्ध हो रहे है। केशवनगर ग्राम पंचायत में स्थापित रीपा अंतर्गत पेपर कप निर्माण, प्लास्टिक बोरी निर्माण, प्राकृतिक गोबर पेंट निर्माण, आर.सी.सी. पोल निर्माण, चेन लिंक फेंसिंग तार निर्माण, पेवर ब्लॉक निर्माण, कालीन निर्माण एवं हथकरघा द्वारा कपड़ा निर्माण की गतिविधियां संचालित हैं। उक्त गतिविधियों मे 50 से अधिक लोग जुड़ कर स्वरोजगार कर रहे है।

सरकार मजबूर है, समाजवादी नहीं!

अजीत द्विवेदी

केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने लैपटॉप, पर्सनल कंप्यूटर और टैबलेट के आयात को सीमित करने के लिए एक नीति की घोषणा की है। पहले कहा गया था कि आयात को सीमित करने वाली यह नीति तत्काल लागू होगी लेकिन 24 घंटे के अंदर इसे लेकर ऐसी हायतौबा मची की सरकार ने इसे तीन महीने के लिए टाल दिया। अब यह नीति एक नवंबर से लागू होगी। इस नीति में सरकार ने सिर्फ इतना कहा है कि लैपटॉप, कंप्यूटर और टैबलेट के आयात के लिए कंपनियों को लाइसेंस लेना होगा। इसका यह कतई मतलब नहीं है कि अब विदेश में बने उत्पाद भारत में नहीं बिकेंगे। इसका सिर्फ इतना मतलब है कि जैसे पहले एप्पल, सैमसंग, डेल जैसी कंपनियां जो विदेश में अपने उत्पाद बनाती थीं और भारत में लाकर बेच देती थीं वैसे नहीं बेच पाएंगी। पहले उन्हें सिर्फ आयात शुल्क चुकाना होता था और अपने उत्पाद बेचने की छूट थी। अब उन्हें इसके लिए लाइसेंस यानी सरकार से मंजूरी लेनी होगी।

सरकार कारोबार सुगमता रेटिंग में चाहे कितनी भी ऊपर चली जाए लेकिन सबको पता है कि उससे किसी कारोबार की मंजूरी या लाइसेंस लेना कितना मुश्किल होता है। तभी जैसे ही सरकार ने इस बारे में नोटिस जारी किया वैसे ही इसका विरोध शुरू हो गया और इसे पुरानी समाजवादी अर्थव्यवस्था की और लौटने का कदम बताया जाने लगा। इसमें दिलचस्प बात यह है कि सरकार के विरोधियों ने भी अपने तर्क से इस नीति की मुखालफत की तो सरकार के समर्थकों ने अपने तर्कों से इसका विरोध किया। किसी ने समाजवादी नीतियों की वापसी बताई तो किसी ने कोटा परमिट राज का लौटना बताया। इससे कुछ दिन पहले ही केंद्र सरकार ने गैर बासमती चावल के निर्यात पर भी पाबंदी लगाई थी। उसके साथ ही इस नीति को मिला कर देखा गया और यह प्रमाणित किया गया कि सरकार पुराने रास्ते पर लौट रही है। लेकिन हकीकत यह है कि सरकार समाजवादी नहीं हुई है। ज्यादा से ज्यादा उसे संरक्षणवादी कह सकते हैं। इस तरह की नीतियां अमेरिका से लेकर यूरोप तक के देश समय समय पर आजमाते रहे हैं।

बहरहाल, पुराना रास्ता या मिश्रित अर्थव्यवस्था का रास्ता वह है, जिस पर आजादी के बाद भारत चला था। आजादी के बाद 45 साल तक भारत में कोटा, परमिट, लाइसेंस राज था। हर काम के लिए सरकार से अनुमति लेनी होती थी। नरसिंह राव की सरकार ने 1992 में इस व्यवस्था को बदला था। उन्होंने देश की अर्थव्यवस्था को कई तरह के बंधनों से मुक्त कर दिया था। हालांकि तब यह बहस होती रही थी कि देश इसके लिए तैयार है या नहीं? इसमें कोई संदेह नहीं है कि उस समय भारत और भारत के निजी कारोबारी विदेशी कंपनियों के साथ प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार नहीं थे। इसके बावजूद आजादी के 45 साल की बदली हुई स्थितियों में भारत की आर्थिक नीतियों में बदलाव जरूरी था, जो हुआ। दूसरा और तात्कालिक कारण यह था कि 1991 के आर्थिक संकट के बाद भारत का विदेशी मुद्रा भंडार खाली था, जिसे भरने के लिए जरूरी था कि बाहर से डॉलर आए। नरसिंह राव की नीतियों से बदलाव भी हुआ और डॉलर भी आया। उसके बाद से कभी भी भारत का विदेशी मुद्रा भंडार खाली नहीं हुआ है।

उसके बाद से अब तक भारत की सरकारें उसी रास्ते पर चलती रही हैं। लेकिन केंद्र सरकार के हाल के दो फैसलों, गैर बासमती चावल का निर्यात रोकने और लैपटॉप के आयात को सीमित करने के बाद सरकार की इस बात के लिए आलोचना हो रही है कि वह समाजवादी नीतियां या कोटा, परमिट लाइसेंस राज की नीतियां वापस ला रही है। सरकार की इस आलोचना में असल कारण आर्थिक या सरकार से नाराजगी नहीं है, बल्कि समाजवादी नीतियों से चिढ़ है। ध्यान रहे पिछले तीन-चार दशकों में दुनिया में उदार लोकतंत्र और सार्वभौमिक पूंजीवाद की नीतियों को सर्वश्रेष्ठ मानने का चलन बढ़ा है। यह माना जाता है कि दुनिया के लिए सबसे अच्छा रास्ता यही है। चूंकि इस रास्ते के लिए वैचारिक स्तर पर चुनौती सिर्फ समाजवाद की नीतियों से है, जिसका मूल तत्व है कि, 'नहीं किसी को बहुत अधिक हो नहीं किसी को कम हो'। हैरानी की बात है कि जिन लोगों को देश और दुनिया में बढ़ती आर्थिक विषमता से परेशानी है उनको भी समाजवादी नीतियों से चिढ़ है! हालांकि यहां यह स्पष्ट कर देना जरूरी है कि सरकार की नीतियों का समाजवाद से कोई लेना-देना नहीं है। उसकी दूसरी मजबूरियां हैं, जिसकी वजह से ऐसे फैसले हुए हैं।

असल में कोरोना वायरस की महामारी फैलने के बाद जब इलेक्ट्रोनिक्स सामानों की कमी हुई तो सरकार ने प्रोडक्शन लिंक्ट इनसेंटिव यानी पीएलआई स्कीम लागू की थी। इस योजना के तहत सरकार ने 14 अलग अलग सेक्टर की कंपनियों को सामान बना कर बेचने पर पांच साल तक के लिए सब्सिडी देने की घोषणा की थी। यह सब्सिडी सामान की कीमत के तीन से पांच फीसदी तक हो सकती थी। इसका फायदा भी हुआ। मिसाल के तौर पर मोबाइल हैंडसेट के निर्यात का जिक्र किया जा सकता है। भारत में इसका कोई निर्यात नहीं होता था लेकिन पिछले वित्त वर्ष में 90 हजार करोड़ का मोबाइल हैंडसेट भारत से निर्यात हुआ है, जिसमें आधा हिस्सा एप्पल के मोबाइल हैंडसेट का है।

हालांकि लैपटॉप और कंप्यूटर के मामले में सरकार की पीएलआई स्कीम सफल नहीं हुई। सरकार की तमाम कोशिशों के बावजूद एप्पल या दूसरी कंपनियां भारत में लैपटॉप या कंप्यूटर बनाने नहीं आईं। उलटे भारत सरकार की ओर से दी जाने वाली इनसेंटिव की राशि बढ़ती गई। सो, ऐसा लग रहा है कि सरकार ने लैपटॉप, कंप्यूटर और टैबलेट बनाने वाली कंपनियों को मजबूर करने के लिए यह कदम उठाया है। हो सकता है कि लाइसेंस राज की वजह से कंपनियां भारत में अपनी फैक्टरी लगाएं और उत्पादन शुरू करें। इससे भारत को दोहरा फायदा है। एक तो फैक्टरी लगने से रोजगार की संभावना बढ़ेगी और दूसरे भारत से निर्यात होने पर उसका फायदा अलग होगा। हालांकि यह भी संभव है कि कंपनियां फैक्टरी लगाने की बजाय लाइसेंस लेकर अपने उत्पाद को भारत में बेचती रहें। नवंबर के बाद ही इसका पता लगेगा कि इस नीति का कितना असर होगा। लेकिन पहली नजर में ऐसा लग रहा है कि सरकार कंपनियों को भारत में फैक्टरी लगाने के लिए मजबूर करने के वास्ते ऐसा कर रही हैं। इस नीति का फायदा घरेलू कंपनियों को मिल सकता है। एक चर्चा यह भी है कि रिलायंस इंडस्ट्रीज ने एक अगस्त को जियो बुक नाम से अपना लैपटॉप लॉन्च किया, जिसकी कीमत उसने 16 हजार रुपए रखी है। और उसके दो दिन बाद ही सरकार ने लैपटॉप के आयात पर पाबंदी लगा दी। हालांकि इस बात का कोई पुख्ता सबूत नहीं है, जिससे यह प्रमाणित हो कि रिलायंस को फायदा पहुंचाने के लिए सरकार ने आयात को सीमित करने का कदम उठाया है। परंतु सरकार ने जिस तरह से अर्थव्यवस्था से जुड़ी इस नीति को राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़ा उससे संदेह जरूर पैदा होता है। बहरहाल, सरकार के इस फैसले के पीछे कई कारण दिख रहे हैं। आर्थिक, राजनीतिक, कूटनीतिक सब तरह के कारण हैं लेकिन उनका समाजवादी नीतियों से कोई लेना देना नहीं है।

संपादकीय

मणिपुर में बिगड़ते हालात

मणिपुर में हालात ऐसे बन गए हैं कि वहां की पुलिस कथित तौर पर सिर्फ मैतई समुदाय के संरक्षक बल के रूप में काम कर रही है। ऐसे में उसकी निगाह में अर्धसैनिक दस्तों का अल्पसंख्यक कुकी समुदाय के लोगों को संरक्षण देना अपराध बन गया है। मणिपुर में अशांति की शुरुआत हुए तीन महीना गुजर गए हैं, लेकिन आज भी हर रोज आने वाली खबर वहां लगातार बिगड़ रहे हालात का संकेत दे रहे हैं। अब तक बात दो समुदायों के बीच हो रही हिंसा की थी। लेकिन अब झगड़ा राज्य पुलिस और एक अर्ध सैनिक बल के बीच तक पहुंच गया है। पहले एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें मणिपुर पुलिस और असम राइफल्स के जवान आपस में तू तू-मैं मैं करते देखे गए। फिर खबर आई कि असम सरकार ने चूराचांदपुर और विष्णुपुर के बीच मौजूद एक चौकी से असम राइफल्स की टुकड़ी को हटने का आदेश दिया। अब खबर आई है कि मणिपुर पुलिस ने असम राइफल्स के खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दिया है। इसमें असम राइफल्स पर कुकी चरमपंथियों को भागने का मौका देने और उन्हें संरक्षण देने का इल्जाम लगाया गया है। यहां इस बात को रेखांकित करने की जरूरत है कि असम राइफल्स की कमान भारतीय सेना के पास है। क्या बात किसी आम कल्पना में समा सकती है कि भारतीय सेना उग्रवादियों की मदद कर रही है? लेकिन मणिपुर में हालात ऐसे बन गए हैं कि वहां पुलिस कथित तौर पर सिर्फ मैतई समुदाय के संरक्षक बल के रूप में काम कर रही है। ऐसे में उसकी निगाह में संभवत: अर्धसैनिक दस्तों का अल्पसंख्यक कुकी समुदाय के लोगों को संरक्षण देना अपराध बन गया है। यह बहुत खतरनाक स्थिति है। इस पर तुरंत नियंत्रण कायम नहीं किया गया, तो स्थितियां हमारी आशंकाओं से भी ज्यादा बिगड़ सकती हैं। यह अच्छी बात है कि लोकसभा में नरेंद्र मोदी सरकार के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव से देश का ध्यान मणिपुर के हालात पर टिका है। विपक्षी नेताओं ने वहां की स्थितियों का विस्तार वर्णन कर देश को इस बारे में आगाह किया है। अब अपेक्षित है कि जब प्रधानमंत्री जब जवाब दें, तो वे इस दौरान उठे गंभीर प्रश्नों के ठोस उत्तर प्रस्तुत करें। उससे मणिपुर में स्थितियों को बेहतर करने में मदद मिलेगी और सारे देश में भरोसा पैदा होगा। लेकिन अगर प्रधानमंत्री ने ऐसा नहीं किया, तो फिर अविश्वास का माहौल और गहरा जाएगा।

गैर-बराबरी के आंकड़े

साल 2022-23 में कोरोना काल से पहले के आखिर वित्त वर्ष की तुलना में एक करोड़ से ज्यादा सालाना आमदनी बताने वाले लोगों की संख्या 49.4 प्रतिशत बढ़ी। जबकि इसी अवधि में पांच लाख तक आमदनी वाले लोगों की संख्या सिर्फ 1.4 प्रतिशत बढ़ी। गुजरे वित्त वर्ष के लिए फाइल किए गए इनकम टैक्स रिटर्न के आंकड़ों ने एक बार फिर से भारत में आमदनी की बढ़ रही गैर-बराबरी की कहानी बयान की है। हालांकि अभी तक सरकार ने 30 जून तक फाइल हुए रिटर्न्स के आंकड़े ही जारी किए हैं, इसके बावजूद कहा जा सकता है कि उससे जो ट्रेंड दिखा है, उसमें अंतिम आंकड़ों से भी ज्यादा बदलाव होने की संभावना नहीं है। यह कहने का आधार बड़ी कंपनियों के मुनाफे और डिविडेंड वितरण का रुझान भी है। इन सबकी दिशा यही बताती है कि अर्थव्यवस्था का अंग्रेजी के अक्षर के जैसा स्वरूप लगातार मजबूत होता जा रहा है। मतलब यह कि ऊपर के हिस्से पर मौजूद छोटी-सी आबादी की आय और धन दोनों में तेजी से वृद्धि हो रही है, जबकि निचली डंडी पर मौजूद लोग गतिरुद्ध अवस्था में हैं। आय कर रिटर्न के ताजा आंकड़ों ने बताया है कि 2022-23 में कोरोना काल से पहले के आखिर वित्त वर्ष की तुलना में एक करोड़ से ज्यादा सालाना आमदनी बताने वाले लोगों की संख्या में 49.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। जबकि इसी अवधि में पांच लाख तक आमदनी वाले लोगों की संख्या सिर्फ 1.4 प्रतिशत बढ़ी। चूंकि आईटी रिटर्न्स से उन लोगों के हाल के बारे में मालूम नहीं होता, जिन्हें इन्हें फाइल करने की औपचारिकता पूरी करने की मजबूरी नहीं है। अभी अंतिम आंकड़े सामने नहीं हैं, लेकिन पिछले वित्त वर्षों के आधार पर अनुमान लगाएं, तो 140 करोड़ की आबादी में रिटर्न फाइल करने वाले लोगों की संख्या अधिकतम साढ़े आठ से नौ करोड़ से ज्यादा नहीं होगी। बाकी लोगों की वास्तविक आय घटने और इसके कारण उनके बीच मांग और उपभोग की गिरावट पिछले कई वर्षों से एक स्थायी कहानी बनी हुई है। दूसरी तरफ एक करोड़ रुपये से अधिक की सालाना आय वाले लोगों की संख्या बढ़ी है, तो इसका सीधा कारण कुछ खास क्षेत्रों की कंपनियों के शेयर भाव में भारी इजाफा और उसके आधार पर शेयरधारकों को दिया गया ज्यादा डिविडेंड है।

नाइजर है फ्रांस की किरकिरी

श्रुति व्यास

नाइजर का सैनिक नेता जिद पर अड़ा हुआ है। वहां की सैनिक सरकार इकोवास (इकनोमिक कम्युनिटी ऑफ़ वेस्ट अफ्रीकन स्टेट्स) से लड़ने के लिए तैयार है। इकोवास द्वारा वहां के अपदस्थ राष्ट्रपति को दुबारा सत्ता सौंपने के लिए तय की गयी आखिरी तारीख़ ङ्क 6 अगस्त ङ्क निकल चुकी है। इसके अलावा 7 अगस्त को अमेरिका के राजदूत को भी अपदस्थ राष्ट्रपति से मिलने और उनसे चर्चा करने की इजाजत नहीं दी गई। पिछले महीने के तख्तापलट के बाद लोकतंत्र की वापसी के सभी आव्हानों को ठुकरा दिया गया।

पश्चिमी अप्रीका के पड़ौसी देशों के जमावड़े इकोवास ने 6 अगस्त तक बजौम को दुबारा सत्ता न सौंपे जाने पर बलप्रयोग की धमकी दी थी। धीरे-धीरे अंतिम तिथि नजदीक आती गई लेकिन तख्तापलट का नेतृत्व करने वालों ने सत्ता से हटने का संकेत नहीं दिया। इसकी बजाए उन्होंने एक स्टेडियम में अपने समर्थकों को एकत्रित किया, जो उनकी जयजयकार कर रहे थे। उन्होंने देश के पूर्व औपनिवेशिक शासक फ्रांस के झंडे के रंग से रंगे गए एक मुर्गे का सर कलम किया। अंतिम तिथि निकलने के बाद सैन्य सत्ताधारियों ने नाइजर की वायु सीमा को पूरी तरह से बंद कर दिया। उन्होंने कहा एक 'विदेशी शक्ति' देश पर हमले की तैयारी कर रही है। उन्होंने कहा कि ''नाइजर की सशस्त्र सेनाएं देश की अखंडता की रक्षा करने के लिए तैयार हैं卐 तख्तापलट के नेताओं ने नाइजर के युवाओं से आव्हान किया कि वे इस कठिन समय में देश की सेवा के लिए तैयार रहें। राजधानी के अब्दोऊ मौमौनी विश्वविद्यालय के छात्रों ने इसकी प्रतिक्रिया में कहा कि वे इस आव्हान के अनुसार कार्य करेंगें। नाइजर के आक्रामक रूख के मद्देनजर इकोवास ने 10 अगस्त को एक असाधारण बैठक बुलाई है। नाइजर में हुए तख्तपलट से एकदम साफ हो गया है कि लोगों ने फ्रांस के बोलबाले को उतने ही जोश से खारिज किया है जितने जोश से उनके पूर्वजों ने फ्रेंच साम्राज्य को किया था। इस तरह फ्रांस का लंबे समय से चला आ रहा दबदबा कम हो रहा है। विकास सहायता के रूप में हर साल दो अरब डालर तक मिलने के बावजूद नाइजर दुनिया के सबसे गरीब देशों में से एक बना हुआ है, जहां साक्षरता दर केवल 34 प्रतिशत है। यूरोपियन यूनियन नाइजर के लिए 2024 में समाप्त होने वाली तीन वर्ष की अवधि के लिए 50 करोड़ 30 लाख यूरो देने वाला था। इतनी मदद के बावजूद नाइजर में अब फ्रांस को युवा वर्ग में बेरोज़गारी जैसी बड़ी समस्याओं के लिए दोषी ठहराया जाता है। सन 2020 में माली और बुर्किनो फासो ङ्क जो फ्रांस की दासता से सन् 1960 में मुक्त हुए थे ङ्क में 2021 और 2022 (दो बार) तख्तापलट हुआ था। अब नाइजर ताजा देश है। इन सभी देशों में फ्रांस, बल्कि पूरे पश्चिम, के विरूद्ध नाराजगी लगातार बढ़ती रही, जबकि विरोधी ताकतों जिनमें रूस, तुर्की और चीन शामिल हैं, हालात का फायदा उठाने के मौके तलाशते रहे। बुर्किनो फासो और माली के सैन्य नेतृत्व ने पहले ही चेतावनी दे दी है कि सैन्य हस्तक्षेप के जरिए बजौम को दुबारा सत्ता में लाने का प्रयास जंग का ऐलान माना जाएगा। भाड़े के सैनिकों का रूसी समूह वेगनर नाइजर के पड़ोसी देशों में सक्रिय है और उसने नाइजर के विद्रोहियों को मदद की पेशकश की है।

नाइजर में आगे क्या होगा और नए सत्ताधारी जनरल अब्दुररहमाने चियानी क्या करने वाले हैं यह अस्पष्ट और अनिश्चित है। फ्रांस को आंखे दिखाते हुए और उपनिवेशवादी मानसिकता से उबरते हुए नाइजर में भ्रष्टाचार, मानवाधिकार हनन और अफरा-तफरी का माहौल रहेगा जिसमें जिहादियों और आतंकवाद को पनपने का मौका मिलेगा।

इस तरह यह इलाका युद्ध के मुहाने पर खड़ा है। इकोवास पिछले दरवाजे से कोई समझौता करवाने का प्रयास कर रहा है। लेकिन इस बात की संभावना बहुत कम है कि सैन्य नेतृत्व झुकेगा और सत्ता दुबारा बजौम के हाथ में सौंपेगा। अगर युद्ध हुआ तो वह घातक होगा जिसमें कईयों की भूमिका होगी ङ्क नाइजर की सत्ताधारी सेना, जिहादी, पश्चिमी देश, चीन और रूस और इसमें बड़ी संख्या में जानें जायेंगी।

बड़ा मुश्किल होता है एक पिता होना

लालित्य ललित

पहले पिता को
वह लड़का कुछ नहीं समझता था
कि पिता का अर्थ क्या होता हैं
ऑफिस जाना और उनका ब्रीफकेस
उनके साथ जाता था
रोज सैर कर आता था
उसमें होता था खाने का डिब्बा
चेकबुक,बीमा की पॉलिसी के कुछ दस्तावेज और कुछ महत्वपूर्ण कागज पत्र
बच्चा नहीं जानता था वह कुछ भी
लेकिन समय बदला
अब पिता नहीं
दीवार पर उनकी तस्वीर है
और वह समय के साथ बच्चे से युवा में तब्दील हुआ
अब वह पिता है
उसका बेगार है जिसमें अपने पिता की तरह ही कुछ दस्तावेज रहते हैं
पत्नी कहती भी हैं
कि इतना भारी क्यों रहता हैं
पत्नी को नहीं पता
जो घर का मुखिया होता है
वह सुख भी और दुखों की पोटली लिए रहता है हर समय
बच्चों का कैरियर
उनका व्याह
हाउस टैक्स से लेकर उनकी आवश्यकताएं
सबकी भूमिका में एक पिता ही खड़ा रहता है
बिना रुके
बिना थके
अपनी आवश्यकताओं का गला घोंटते हुए
वह आज पिता है
धीरे धीरे चीजों को समझता हुआ
आगे बढ़ने लगा है
वह प्रौढ पिता
घर का केंद्र बिंदु
जो अपनी आवश्यकता भी पहचानता है और घर की जरूरतें भी
वह पिता है
किसी से कुछ नहीं कहता
एकांत में रो देता है जब वह कोई सपना पूरा करने में असमर्थ होता है
लेकिन अपनी व्यथा नहीं बांटता
ऐसे होते हैं पिता
ऐसे होते है पिता
जैसा वह आज खुद है
पिता की भूमिका में...

बच्चों को कुपोषण मुक्त बनता आंगनबाड़ी केंद्र

भावना

आज़ादी के बाद स्वास्थ्य के क्षेत्र में देश जिन चुनौतियों का सामना कर रहा था उनमें बच्चों में कुपोषण की समस्या भी एक थी. देश के ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों में कुपोषण बहुत ज़्यादा थी. गरीबी और आर्थिक पिछड़ेपन के कारण गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार उपलब्ध नहीं हो पाता था. जिसका असर बच्चों में देखने को मिलता था. इस समस्या से निजात पाने के लिए भारत सरकार द्वारा हर गांव में आंगनबाड़ी केंद्र खोला गया. जहां महिला एवं बाल विकास विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग द्वारा मिलकर महिलाओं और बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जाता है. गर्भवती महिलाएं व बच्चों का पंजीकरण और टीकाकरण किया जाता है. आगे चलकर इसमें गांव की किशोरी बालिकाओं के लिए पैड्स भी उपलब्ध करवाई जाने लगी. आंगनबाड़ी कार्यक्रम को भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में 3 से 6 वर्ष के बच्चों को और उनकी मां को कुपोषित होने से बचाने के लिए भारत सरकार व बाल विकास सेवा कार्यक्रम के द्वारा शुरू किया गया था. इसके अंतर्गत 6 वर्ष की आयु के 8 करोड़ बच्चों को सम्मिलित किया गया है. इस योजना का शुभारंभ केंद्र सरकार द्वारा 1985 में किया गया था. वर्ष 2010 के बाद राज्य सरकारें भी इसमें सहयोग देन लगी हैं. याद रहे कि लगभग 400 से अधिक जनसंख्या वाले स्थान पर एक आंगनबाड़ी केंद्र की स्थापना का प्रावधान है. जनसंख्या के आधार पर किसी ग्राम पंचायत में एक से अधिक आंगनबाड़ी खोला जा सकता है. आंगनबाड़ी कार्यकर्त्ता और सहायिका इस केंद्र को संचालित करती हैं तथा शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास और अन्य संबंधित विभागों के समन्वय से इसे मूर्त रूप दिया जाता है. जिसे आईसीडीएस कहा जाता है. इसके सफल संचालन के लिए प्रत्येक 25 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए एक

आंगनबाड़ी पर्यवेक्षक नियुक्त किया जाता है. जिसे मुख्य सेविका कहा जाता है. यह आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को कार्य से जुड़े मामलों में उनका मार्गदर्शन करती हैं. लेकिन सरकार के सभी प्रयासों के बावजूद देश के कई ऐसे ग्रामीण क्षेत्र हैं जहां आंगनबाड़ी केंद्र आज भी अपने उद्देश्य और लक्ष्य से पीछे नज़र आता है. जहां जागरूकता की कमी के कारण अभिभावक बच्चों को केंद्र तक नहीं पहुंचाते हैं और इसका लाभ उठाने से वंचित रह जाते हैं. ऐसा ही कुछ राजस्थान के जिला बीकानेर स्थित लूणकरणसर ब्लॉक के ढाणी भोपालाराम गांव में देखने को मिला है. जहां माता पिता अपने बच्चों को आंगनबाड़ी केंद्र तक भेजने के इच्छुक नज़र नहीं आते हैं. इस केंद्र की आंगनबाड़ी सहायिका नरेश का कहना है कि 'हमें बच्चों के माता पिता कहते हैं कि हमारे बच्चो को घर से आंगनबाड़ी लेकर आप खुद जाओ, और फिर बाद में उनको घर भी आप ही छोड़कर जाओगे.' वह बताती हैं कि ज्यादा गर्मी होने के कारण आंगनबाड़ी में ज़्यादा बच्चे नहीं आते हैं क्योंकि केंद्र में पंखे की व्यवस्था नही है. यहां पर खेलने का मैदान हैं पर उसी जगह कांटेदार झाड़ियां और कंकड़ पत्थर हैं, जिस वजह से बच्चो को खेलने में दिक्कत आती है. यह भी बच्चों का केंद्र तक नहीं आने का एक बहुत बड़ा कारण है. नरेश के अनुसार इस केंद्र पर 21 बच्चों का नामांकन है, परंतु केवल 6 बच्चे ही केंद्र पर आते हैं. वह बताती हैं कि हमारी आमदनी 7000 प्रति माह है. उन्होंने बताया कि इस केंद्र पर हम 3 वर्कर काम करती हैं. जिन्हें कार्यकर्ता, साथिन और आंगनबाड़ी आशा दीदी कहते हैं. आशा को सहयोगिनी भी कहते हैं. वह गर्भवती महिलाओं की देखभाल और उनका टीकाकरण करना तथा कुपोषण का ध्यान रखती हैं. हम बच्चों को खेलकूद के माध्यम से बैठना, बोलना और पढ़ना सिखाते हैं. उन्हें अक्षर ज्ञान के साथ साथ चीजों की पहचान करना भी सिखाते हैं. उन्हें इस प्रकार का वातावरण दिया जाता है कि जब बच्चा पहली बार स्कूल जाए तो उसे डर न लगे और वह स्कूली वातावरण में आसानी से घुल मिल जाए. इसके अतिरिक्त आंगनबाड़ी केंद्र पर सरकार की ओर से 15 से 18 साल की किशोरियों के लिए आयरन की गोलियां और सेन्ट्री पैड वितरित करने भी प्रावधान है. हालांकि कुछ अभिभावक आंगनबाड़ी केंद्र की महत्ता को समझते हैं और चाहते हैं कि उनके बच्चों को इस केंद्र का भरपूर लाभ मिले. इस संबंध में 27 वर्षीय सुमित्रा कहती हैं कि 'मेरे दो बच्चे हैं जो आंगनबाड़ी केंद्र जाते हैं. चूंकि हम दोनों पति पत्नी खेतों में काम करते हैं, जिसके लिए हमें घर से सुबह ही निकलना होता है. ऐसे में प्रतिदिन बच्चों को आंगनबाड़ी केंद्र तक पहुंचना और लाना संभव नहीं हो पाता है. यदि कोई आंगनबाड़ी कार्यकर्त्ता हमारे बच्चों को ले जाना और घर तक पहुंचाने का काम करे तो हमें प्रतिदिन उन्हें भेजने में कोई परेशानी नहीं होगी.' वहीं 24 वर्षीय जानकी भी कहती हैं कि 'मुझे एक लड़का और एक लड़की है. लड़की पांच वर्ष और लड़के की उम्र तीन वर्ष है.' वह बताती हैं कि आंगनबाड़ी केंद्र पर कभी कभी तो पानी तक नहीं रहता है. हमारे यहां पानी की बहुत दिक्कत है, सबको पानी खरीदना पड़ता है. ऐसे में हम बच्चों को वहां कैसे भेजे? हालांकि वहां उन्हें उचित पोषाहार मिलता है और आशा वर्कर बच्चों को खेल खेल में पढ़ना भी सिखाती हैं. लेकिन पानी की कमी के कारण बच्चों को कठिनाइयां होती हैं. वहीं गांव की एक अन्य महिला गीता का कहना है कि 'मेरे घर से आंगनबाड़ी सेंटर बहुत दूर है. ऐसे में बच्चों को इतनी दूर अकेले नहीं भेजा जा सकता है. वह कहती हैं कि मैं घर के कामों में व्यस्त रहती हूं और पति पेंट का काम करने के लिए अक्सर गांव से बाहर जाते हैं. इसलिए मैं चाहती हूं कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मेरे बच्चो को घर से लेकर जाएं और उन्हें सुरक्षित वापस छोड़ कर जाएं ताकि न केवल हम बच्चों की सुरक्षा के प्रति निश्चिन्त रहें बल्कि वह कुपोषण से भी मुक्त रहें.' बहरहाल, इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि देश के ग्रामीण क्षेत्रों में नौनिहालों को कुपोषण मुक्त बनाने में आज भी आंगनबाड़ी की भूमिका महत्वपूर्ण साबित हो रही है.

सार-समाचार

मेरी माटी मेरा देश अभियान अंतर्गत किया गया वृक्षारोपण

दुर्ग। नेहरू युवा केंद्र संगठन दुर्ग के मार्गदर्शन में बालोद जिला में पर्यावरण संरक्षण, जागरूकता, पोधारोपण जैसे विशेष कार्यक्रम का संरचना; रूप रेखा, तैयार करायी गई हैं। सर्वप्रथम बालोद ब्लॉक का चुनाव करके झलमला स्थापित संजय निकुंज से 170 पौधें प्राप्त किए, जिनके रोपण का आरंभ कल देवरभाट में तीनों राष्ट्रीय स्वयं सेवक उपासना निषाद, लिकेश्वर साहू तथा वासुदेव ने लांस नायक परमेश्वर देवहरी; पूर्व सैनिक के अगुवाई में किया गया। इस समय डॉ विजय क्षत्रिय, पूजा तथा उनके अनुयाई उपस्थित थे। इस पौधा रोपण में मुख्यत: नीम, गुलमोहर, करंच के लगभग 75 पौधें रोपे गए। भारत सरकार, छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा चलाएं जा रहें मेरी माटी मेरा देश, पौधा तुंहार जैसे विभिन्न पर्यावरण संरक्षण मुहिम का नेहरू युवा केंद्र संगठन युवा एवम खेल मंत्रायल भारत सरकार के अनुरूप संचालित किए जा रहें हैं ।

निगम क्षेत्र के दुकानों का आयुक्त ने किया समीक्षा

भिलाई। शहर के बाजार क्षेत्र को हरा भरा करने व खुबसुरत बनाने के लिए नगर पालिक निगम भिलाई, चेम्बर आफ कॉमर्स एवं व्यापारिक समिति के सहयोग से बड़े बाजार क्षेत्र के दुकानो के सामने रखने गमले में पौधा का वितरण करेगा यह अभियान 15 अगस्त से होगा प्रारंभ। आयुक्त रोहित व्यास ने निगम सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में अधिकारियों से कहा की राष्ट्रीय पर्व 15 अगस्त से निगम क्षेत्र के व्यापारियों के सहयोग से शहर के बाजार क्षेत्र के दुकानों के सामने गमले में पौधा रखने के अभियान की शुरूवात किया जाना है। जिसके लिए चेम्बर आफ कॉमर्स तथा व्यापारिक समिति से निगम द्वारा आवश्यक सहयोग लिया जायेगा। शुरूवात में आकाशगंगा, सुपेला, गोल मार्केट वैशाली नगर, सर्कुलर जवाहर मार्केट पावर हाउस, न्यू खुर्सीपार मार्केट तथा ए मार्केट सेक्टर 06 के दुकानों को इस अभियान में शामिल किया जाएगा। दुकानदार अपने दुकान के सामने गमले में पौधा रखेगें ताकि मार्केट क्षेत्र हरा भरा और खुबसुरत दिखे, उन्होने जोन आयुक्तों से कहा की सड़क प्रकाश व्यवस्था का जायजा लेकर बंद पड़े लाईट को बदल कर मार्ग को प्रकाशमय बनाएं विशेष रूप से जी.ई.रोड को तत्काल रोशनी से युक्त करें। आयुक्त श्री व्यास ने 14वें एवं 15वें वित्त आयोग के मद से चल रहे कार्यो की जानकारी ली और अधिकारियों को निर्देश दिए की प्रगतिरत कार्य को शीध्र पूर्व करे तथा अप्रारंभ कार्यो को इसी माह प्रारंभ कर लें। उन्होने अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में इस बात पर जोर दिया कि जोन आयुक्त ये सुनिश्चित कर ले कि जोन क्षेत्र के वार्ड से निकलने वाले कचरे का निष्पादन उसी जोन में स्थापित एस.एल.आर.एम. सेंटर में ही हो। मतदान केन्द्रो का भ्रमण कर केन्द्रो में लाईट पानी रैम्प, शौचालय की स्थिति दुरूस्त कर लेवें। मुख्यमंत्री स्कुल जतन योजना के कार्यों की प्रगति से अवगत होकर अपूर्ण कार्य को शीध्र पूर्ण करने के निर्देश भी दिए है। बैठक में अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी, अधीक्षण अभियंता दीपक जोशी, संजय बागड़े, जोन आयुक्त, कार्यपालन अभियंता, सहायक अभियंता, उपअभियंता एवं विभाग प्रमुख आदि उपस्थित थे।

दो गुटों में हुई झड़प,एक युवक की बेरहमी से हत्या

दुर्ग। जिले के कुम्हारी के पास दो गुटों के बीच पुरानी रंजिश को लेकर हुए खूनी संघर्ष में एक 27 वर्षीय युवक कमल खूटे की की मौत हो गई। सूचना मिलते ही कुम्हारी पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया वहीं पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार मामला सर्वोदय ग्रीन सिटी कुम्हारी के पास का है जहां गुरूवार रात सतनामी समाज के दो गुटों में पुरानी रंजिश को लेकर विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों ही गुटों के लोग लाठी, डंडा, हथियार लेकर एक दूसरे को मारने आ गए। दो गुटों में हुए इस घूनी संघर्ष में आरोपी पक्ष ने रायपुर उरला निवासी कमल खूटे के ऊपर धारदार हथियार से इतने वार किए कि उसकी मौके पर ही मौत हो गई। शुक्रवार तड़के से कुम्हारी सहित भिलाई तीन थाने के टीआई और सीएसपी छावनी, एएसपी संजय ध्रुव, सीएसपी क्राइम राजीव तिवारी सहित अन्य अधिकारी पहुंचे हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पुलिस ने शव को पंचनामा कार्रवाई के बाद पीएम के लिए भेज दिया है। इधर हत्या के बाद से मृतक के परिजन इतने आक्रोशित हैं कि वो घटना स्थल पर विवाद कर रहे थे।

शासकीय पॉलीटेक्निक, दुर्ग में पीपीटी, नान- पीपीटी एवं लेटरल एंट्री के माध्यम से प्रवेश प्रारंभ

दुर्ग। उदय प्रसाद उदय शासकीय पॉलीटेक्निक, दुर्ग में संचालित डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के प्रथम सेमेस्टर में पी.पी.टी. व नान- पी.पी.टी. तथा लेटरल एंट्री के माध्यम से सत्र 2023-24 में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। आबंटित संस्था में प्रवेश प्रक्रिया 18 अगस्त 2023 से आरंभ होगी। उ.प्र.उ शासकीय पॉलीटेक्निक, दुर्ग के प्राचार्य से मिली जानकारी अनुसार प्रवेश के समय विद्यार्थी ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन की प्रति, पीपीटी का स्कोर कार्ड (डिप्लोमा इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम के लिए), अंकसूची (दसवीं, बारहवीं, आई.टी.आई.) अनु. जनजाति/अनु. जाति/अ.पि.व. के लिए स्थाई जाति प्रमाण-पत्र, अनु. जनजाति/अनु. जाति/अ.पि.व. के छात्र यदि शिक्षण शुल्क में छूट प्राप्त करना चाहते हैं तो सत्र 2022-23 का समस्त स्त्रोतों से पालक की आय प्रमाण-पत्र, स्थानांतरण प्रमाण-पत्र, यदि कोई छात्र स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, सैनिक अथवा नि:शक्तजन की सीट प्राप्त करता है।

101 विद्यार्थियों ने किया मोकपोल

आत्मानंद स्कूल भुवनेश्वरपुर एवं रामानुजनगर में ईवीएम वीवीपैट का प्रदर्शन

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर- जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर संजय अग्रवाल तथा सहायक निर्वाचन अधिकारी प्रियंका वर्मा के निर्देशन एवं अनुविभागीय अधिकारी नंदजी पाण्डे के मार्गदर्शन में द्वारा ईवीएम, वीवीपैट जागरूकता कार्यक्रम शनिवार को भी जारी रहा। इस दौरान लगभग 500 विद्यार्थियों के साथ मतदान प्रक्रिया की जानकारी साझा की गई।

स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल भुवनेश्वरपुर एवं हाईस्कूल बालक रामानुजनगर में लगभग 500 छात्रों ने मतदान की प्रक्रिया को जाना और ईवीएम की कार्यप्रणाली को समझा। छात्रों को ईवीएम मशीन में कंट्रोल यूनिट, बैलट यूनिट एवं वीवीपैट के कार्यों को योगेश साहू द्वारा विस्तार पूर्वक बताया गया। ईवीएम मशीनों में चिप, ब्लूटूथ, वाईफाई कनेक्ट नहीं किया जा सकता। ईवीएम मशीन को किसी भी तरीके से हैक नहीं किया जा सकता, किसी भी छेड़छाड़ की स्थिति में मशीन अपने आप बंद हो जाती हैं। ऐसा भी कई बार सुनने में आता है कि दोबारा बटन दबाने पर दूसरा बोट जाता है, ऐसे में बता दें कि आपका पहला दबाया गया बटन ही काम करेगा हर एक वोट के बाद कंट्रोल यूनिट को फिर अगले वोट के लिए तैयार करना होता है, इस तरह इस पर फटाफट बटन दबाकर वोट करना मुश्किल है। वोटर जैसे ही बटन दबाता है उसके बाद अगले की तैयारी की जाती है कुल मिलाकर कहें तो एवीएम में इतने कड़े सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं कि इससे छेड़छाड़ करना बहुत मुश्किल है। वही 17 से 18 वर्ष के 101 विद्यार्थियों ने मॉक पोल किया एवं इससे जुड़े और भी कई सवाल पूछे। उनके सवालो का विस्तार पूर्वक निराकरण किया गया। ईवीएम प्रदर्शन योगेश साहू और रविशंकर पांडेय द्वारा किया गया। कार्यक्रम में स्वामी आत्मानंद भुनेश्वरपुर के प्राचार्य नवीन जायसवाल, प्रभारी प्राचार्य जगदीश साहू एवं सभी स्टाफ तथा छात्र, छात्राये उपस्थित थे, वही रामानुजनगर हाईस्कूल में प्राचार्य सीमा दुबे, सहायक विकास खंड शिक्षा अधिकारी मनोज साहू, साक्षर भारत रविनाथ तिवारी, दिलीप शर्मा, गोपाल सिंह, बिहारी साहू, गायत्री कश्यप, शाला के समस्त स्टाफ एवं छात्र उपस्थित थे।

चण्डी शीतला मंडल का शक्ति केन्द्र स्तरीय लाभार्थी सम्मेलन सम्पन्न

121 लाभार्थीयों का तिलक लगाकर एवं श्रीफल देकर किया सम्मान

दुर्ग। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश नेतृत्व द्वारा आगामी संगठनात्मक,लाभार्थी सम्मेलन, प्रदर्शन आदि कार्यक्रम को सफल करने के उद्देश्य से एवं मंडल के कार्यों की समीक्षा हेतु चण्डी शीतला मंडल द्वारा मंडल अध्यक्ष विजय ताम्रकार के नेतृत्व में गुरुवार को शक्ति केन्द्र स्तरीय लाभार्थी सम्मेलन शक्ति केन्द्र क्र. 2 नयापारा एवं 3 राजीव नगर में किया गया। लाभार्थी सम्मेलन में प्रधानमंत्री आवास योजना,उज्ज्वला योजना, कोरोना वैक्सीन योजना, आयुष्मान भारत योजना के अलावा अन्य केन्द्र सरकार के योजनाओं के लगभग 121 लाभार्थीयों का सम्मान तिलक लगाकर एवं श्रीफल से ज़िला अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा ने सम्मानित किया । अपने उद्बोधन में ज़िलाध्यक्ष श्री वर्मा ने उपस्थित लाभार्थीयों एवं जनमानस को कहा कि हमारे प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी के योजनाओं कि जानकारी दी गई एवं भूपेश सरकार द्वारा केंद्रीय योजनाओं के पैसों का दुरुपयोग करने की निंदा करते हुये जल्द से जल्द आवास के मद की राशि जारी करने प्रदेश सरकार से माँग की गई।

भाजपा ज़िला अध्यक्ष जितेन्द्र वर्मा के जन्मदिवस पर मंडल के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं, द्वारा प्रतीक चिन्ह,मंडल युवा मोर्चा द्वारा चण्डी मंदिर में पूजा-अर्चना कर केक काटा गया। मंडल महिला मोर्चा द्वारा प्रतीक चिन्ह, एवं मण्डल अल्पसंख्यक मोर्चा द्वारा केक काटकर ज़िला अध्यक्ष का जन्मदिवस मनाया गया। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में ज़िला उपाध्यक्ष दिलीप साहू, मंत्री एवं मंडल प्रभारी आशीष निमजे, ज़िला सह-कोषाध्यक्ष निलेश अग्रवाल, कार्यालय मंत्री मनोज सोनी,ज़िला सोशल मीडिया प्रभारी रजनीश श्रीवास्तव, लाभार्थी सम्मेलन के अतिथि शम्भु पटेल एवं विनोद ताम्रकार, वरिष्ठ भाजपा नेत्री दीपक देवांगन,सदर मंडल अध्यक्ष मदन बढ़ई, कसारीडीह बोरसी मंडल अध्यक्ष डॉ.सुनील साहू, ज़िला अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष साजन जोसफ़,मेहरूनिशा,सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. मानसी गुलाटी,ज़िला मछुआरा प्रकोष्ठ संयोजक कमलेश फ़ेक्कर,मंडल उपाध्यक्ष गोविंद देवांगन, दिनेश मिश्रा,महामंत्री आसिफ़ अली सैय्यद, मंत्री विकास सेन,पार्षद कुमारी बाई साहू,अनूप सोनी,जिला युवा मोर्चा मंत्री गोपू पटेल,जिला युवा मोर्चा कोषाध्यक्ष नितेश जैन,युवा मोर्चा मण्डल अध्यक्ष शुभम साहू, महामंत्री नवीन साहू, अतुल पहाड़े, उपाध्यक्ष अविनाश राजपूत, बंटी राजपूत,शुभम यादव, मंत्री संदीप चंद्राकर, राजेश्वर शर्मा,गौतम साहू,कोषाध्यक्ष डोमेंद्र साहू, कार्यालय मंत्री मनोज सोनी, मीडिया प्रभारी कुलेश्वर साहू,सोशल मीडिया सहप्रभारी राहुल चिचखेड़े, स्वाध्याय मंडल प्रयाग तिवारी, प्रशिक्षण प्रमुख राहुल सिंह राजपूत,अमित पटेल, मंडल महिला मोर्चा अध्यक्ष शीतल जाँगिड, उपाध्यक्ष वसुधा शर्मा, महामंत्री ममता देवांगन,दिनेश्वरी तुरकर,मीनाक्षी महोबिया, शोभा यादव,संगीता राजपूत,अनुरागिनी तिवारी,अल्पसंख्यक मंडल मोर्चा से अध्यक्ष शेख फारूक चौधरी,उपाध्यक्ष मोहम्मद भाई,महामंत्री गुलाम जूबेर ख़ान, कोषाध्यक्ष, हाजी ताहिर क़ुरैशी,मो. अश्फ़ाक़, शेख ज़मीर चौधरी, दिलसाद अहमद, बाबर भाई,रफ़ीक क़ुरैशी, मूसा पहलवान,ज़मीर चौधरी, जामिल चौधरी,के अलावा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं आमजन उपस्थित थे। लाभार्थी सम्मेलन का संचालन मंडल महामंत्री आसिफ़अली सैय्यद एवं आभार मंडल महिला मोर्चा महामंत्री ममता देवांगन ने किया।

सावन माह इतना शुभ माने जाते हैं कि इस दौरान महिलाओं की पूजा-अर्चना से उनके पति का दुर्भाग्य भी सौभाग्य में परिवर्तित हो जाता है - आचार्य डॉ. विक्रांत महाराज

दुर्ग। गंजपारा बाबा रामदेव मन्दिर में चल रहे श्री गंगाधर शिव महापुराण कथा के तीसरे दिन कथा व्यास से आचार्य डॉ. विक्रांत महाराज ने भगवान शिव और माता सती के विवाह की कथा सुनाते हुए कहा कि पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान शिव ने सबसे पहले सती से विवाह किया था। भगवान शिव का यह विवाह बड़ी जटिल परिस्थितियों में हुआ था।

सती के पिता दक्ष भगवान शिव से अपने पुत्री का विवाह नहीं करना चाहते थे लेकिन ब्रह्मा जी के कहने पर यह विवाह सम्पन्न हो गया. दक्ष ने एक विराट यज्ञ का आयोजन किया लेकिन उन्होंने अपने दामाद और पुत्री को यज्ञ में निमंत्रण नहीं भेजा। फिर भी सती अपने पिता के यज्ञ में पहुंच गई. दक्ष ने पुत्री के आने पर उपेक्षा का भाव प्रकट किया और शिव के विषय में सती के सामने ही अपमानजनक बातें कही. सती बर्दाश्त नहीं कर पाई और इस अपमान की कुंठावश उन्होंने वहीं यज्ञ कुंड में कूद कर अपने प्राण त्याग दिए। सती के शरीर का जो हिस्सा और धारण किए आभूषण जहां जहां गिरे वहां-वहां शक्तिपीठ अस्तित्व में आ गए। आचार्य डॉ. विक्रांत महाराज ने बताया कि सावन में प्रतिदिन श्री शिवमहापुराण की कथा सुनने और पढ़ने का विशेष महत ?व है। माना जाता है कि इस समय में अगर विधि विधान से शिव जी की पूजा अर्चना की जाए, सावन के सोमवार और प्रदोष व्रत रखे जाएं, तो महिलाओं का भाग्य जाग जाता है। सावन के सोमवार इतने शुभ माने जाते हैं कि इस दौरान महिलाओं की पूजा-अर्चना से उनके पति का दुर्भाग्य भी सौभाग्य में परिवर्तित हो जाता है। इस दौरान श्री शिवमहापुराण पढ़ने का विशेष फल मिलता है। दरअसल इसमें कथा में केवल शिव ही नहीं, बल्कि ब्रह्मा, विष्णु, कार्तिकेय और गणेश जैसे देवों के बारे में भी लिखा है।

निगम के मुख्य कार्यालय में होगा आवास आबंटन 18 को

भिलाई। मोर मकान मोर आस प्रधानमंत्री आवास योजना के पात्र हितग्राही को दस प्रतिशत अंशदान राशि जमा कर 18 अगस्त को होने वाले लॉटरी पद्धति के आबंटन प्रक्रिया में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। प्रधानंत्री आवास योजना के अंतर्गत मोर मकान मोर आस घटक अंतर्गत शासन से स्वीकृति विभिन्न स्थलों में निर्मित व निर्माणाधीन आवासों के आबंटन हेतु जिला स्तरीय समिति के अनुमोदन पश्चात हितग्राहियों से 10 प्रतिशत अंशदान की राशि जमा कराया गया है एवं मोर मकान मोर चिन्हारी घटक अंतर्गत जिन हितग्राहियों द्वारा समानुपातिक अंशदान की राशि एकमुश्त जमा कर दिया गया है। ऐसे सभी हितग्राहियों का दिनांक 18 अगस्त को सुबह 10:30 बजे निगम मुख्यालय सुपेला मे लॉटरी पद्धति से आवास आबंटन किया जाना है। आवास आबंटन हेतु हितग्राही योजना शाखा से लॉटरी सूचना पत्र प्राप्त कर लेवे। पात्र आवेदक दिनांक 16 अगस्त तक आवास का अंशदान की राशि जमा कर लॉटरी में सम्मिलित हो सकते है। निर्धारित तिथि के पश्चात राशि जमा करने पर आगामी लॉटरी में शामिल किया जावेगा। लॉटरी में शामिल होने हेतु हितग्राही अपना अंशदान जमा रसीद की मूलपति, मूल आधार कार्ड, आवेदन पत्र की पावती तथा लॉटरी का सूचना पत्र के साथ निर्धारित स्थल एवं समय में स्वंय उपस्थित रहेंगे, हितग्राही यदि दिव्यांगजन एवं वरिष्ठ नागरिकजन हो तो प्रमाण पत्र की मूल प्रति आवास शाखा कक्ष क्रं. 16 में पुष्टि हेतु 16 अगस्त तक प्रस्तुत करेंगे।

पुरानी गंजमंडी में जल्द प्रारंभ होगा 50 लाख से शहर का सी मार्ट स्टोर

स्व सहायता समूह की महिलाओं को उत्पाद बेचने मिलेगा सर्वसुविधायुक्त बाजार:वोरा

दुर्ग। वरिष्ठ कांग्रेस विधायक व राज्य भंडारगृह निगम के अध्यक्ष अरुण वोरा ने दुर्ग निकाय क्षेत्र में बनाए जा रहे सी मार्ट का निरीक्षण किया। पुरानी गंजमंडी में निगम द्वारा निर्मित नवीन काम्प्लेक्स में 50 लाख की लागत से सी मार्ट स्टोर का निर्माण किया जा रहा है जहां शहर के 60 वार्डों के विभिन्न महिला स्व सहायता समूहों द्वारा निर्मित क्षेत्रीय उत्पादों की बिक्री करने के लिए उन्हें सर्वसुविद्यायुक्त बाजार उपलब्ध कराया जाएगा। विधायक वोरा ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में राज्य सरकार ने लगातार महिला सशक्तिकरण का काम किया है। किसानों के साथ ही कर्ज के कष्ट झेल रहे महिला स्व सहायता समूहों का भी कर्जमाफी किया गया है अब सरकार की महती छत्तीसगढ़ मार्ट योजना के अंतर्गत समूहों द्वारा निर्मित पारंपरिक उत्पादों को बेचने के लिए उचित वातावरण उपलब्ध करवाने यह योजना लाई गई है जो निर्माण के अंतिम चरण पर है। अगस्त के अंतिम सप्ताह तक शहर वासियों को छत्तीसगढ़ की पारंपरिक वस्तुवों के लिए नया शॉपिंग मॉल उपलब्ध होगा जिससे ना सिर्फ समूहों का आर्थिक लाभ होगा बल्कि आमजन भी एक ही स्थान पर लोकल उत्पाद प्राप्त कर सकेंगे।

साइंस कॉलेज एवं गर्ल्स कॉलेज में 1.5 करोड़ के होंगे उन्नयन कार्य- वोरा ने विज्ञान महाविद्यालय एवं कन्या महाविद्यालय के प्रस्तावित कार्यों की भी समीक्षा की जहां 75-75 लाख से अतिरिक्त कक्षाओं व स्टाफ कमरों का निर्माण किया जाना है । उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य एवं शिक्षा पर सरकार किसी समझौते की पक्षधर नहीं लगातार शिक्षा के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध कराया जा रहा है। जेआरडी स्कूल, आदर्श कन्या विद्यालय, मॉडल कालेज, विज्ञान व कन्या महाविद्यालय में करोड़ों के विकास कार्य प्रगतिरत हैं। जल्द ही छात्र छात्राओं को नवीन कमरों की सौगात मिलेगी।

नि:शुल्क बेसिक सिलाई प्रशिक्षण, कम्प्यूटर प्रशिक्षण एवं ब्यूटीशियन का प्रशिक्षण दिया गया

राजनांदगांव। जिला प्रशासन द्वारा महिलाओं के कौशल उन्नयन के लिए दिग्विजय स्टेडियम परिसर राजनांदगांव में नि:शुल्क बेसिक सिलाई प्रशिक्षण, कम्प्यूटर प्रशिक्षण एवं ब्यूटीशियन का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कलेक्टर श्री डोमन सिंह के मार्गदर्शन में महिलाओं को नि:शुल्क प्रशिक्षण लाईवलीहुड कॉलेज एक्सटेंशन-1 के तहत दिया जा रहा है। सहायक संचालक कौशल विकास श्री देवेन्द्र कुमार ने बताया कि सिलाई बेसिक प्रशिक्षण में 3 पालियों में 130 महिलाएं एवं कम्प्यूटर प्रशिक्षण में 40 महिलाएं तथा ब्यूटीशियन प्रशिक्षण में 40 महिलाएं प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। बेसिक सिलाई प्रशिक्षण में काज करना, बटन लगाना, हुक लगाना, हेण्ड एम्ब्राईडरी, ड्रेस डिजाईन, सिलाई-बुनाई, मशीन का रख-रखाव सिखाया जा रहा है। जरूरतमंद महिलाओं को प्राथमिकता देते हुए सिलाई सिखाई जा रही है। शासन की मंशा के अनुरूप बेरोजगारी भत्ता प्राप्त युवाओं को उनकी रूचि के अनुसार स्वरोजगार से जोडने् के लिए उचित प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि उन्हें अपने पैरों पर खड़े होने में मदद हो सके। इसी को ध्यान में रखकर दिग्विजय स्टेडियम परिसर राजनांदगांव में कुछ महिलाओं को कम्प्यूटर एवं ब्यूटीशियन का प्रशिक्षण देने की व्यवस्था की गई है। कम्प्यूटर प्रशिक्षण अंतर्गत कम्प्यूटर की बेसिक जानकारी के साथ हिन्दी व अंग्रेजी टाईपिंग सिखाया जा रहा है।

ब्यूटीशियन प्रशिक्षण के अंतर्गत मेहंदी, थ्रेडिंग, फेसियल, हेयर केयर की जानकारी दी जा रही है। जिला प्रशासन का प्रयास है कि ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं भी जो बेरोजगारी भत्ता प्राप्त कर रही है, वे भी इससे जुड़कर प्रशिक्षण का लाभ ले सकती है। यहां प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली शिशुवती माताओं के बच्चों के लिए प्ले स्कूल की भी व्यवस्था है।

सिलाई बेसिक प्रशिक्षण प्राप्त कर रही ग्राम गेंदाटोला की श्रीमती कंचन ने बताया कि यहां जिला प्रशासन की ओर से महिलाओं को नि:शुल्क सिलाई प्रशिक्षण मिल रहा है। यहां हमें सीखने का शांत और अच्छा वातावरण मिल रहा है। प्रशिक्षण में सिलाई की बेसिक जानकारी दी जा रही है। चंदन नगर राजनांदगांव निवासी श्रीमती ललिता रानी ने बताया कि यहां रोज नई-नई चीजे सीखने मिल रही है। उन्होंने बताया कि हमें अपने जीवन में बेसिक सिलाई की जरूरत पड़ती है। घरेलू आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ सिलाई से स्वरोजगार भी प्राप्त कर सकते है। कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्राप्त कर रही बजरंगपुर-नवागांव की यशोमणी सिन्हा ने बताया कि यहां कम्प्यूटर की बेसिक जानकारी के साथ हिन्दी-अंग्रेजी टाईपिंग का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण से हमारे कम्प्यूटर के ज्ञान में वृद्धि हो रही है, जिससे आगे चलकर हमें नौकरी एवं स्वरोजगार प्राप्त करने के मदद मिलेगी। ब्यूटीशियन का प्रशिक्षण प्राप्त कर रही राजनांदगांव की किरण सोनी ने बताया कि यहां हमें कौशल उन्नयन के तहत मेहंदी, थ्रेडिंग, फेसियल, हेयर केयर, फेस केयर एवं ब्यूटीशियन में उपयोग होने वाले प्रोडक्ट के बारे जानकारी दी जा रही है। राजनांदगांव की शिवानी श्रीवास्तव ने कहा कि यहां प्रशिक्षकों द्वारा ब्यूटीशियन का अच्छा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ब्यूटीशियन का प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले लोगों के लिए रोजगार के अच्छे अवसर उपलब्ध है। इस प्रशिक्षण का लाभ लेकर हम भी अपना स्वरोजगार स्थापित कर सकते है।

कुदरत के कहर से बर्बाद हो गई फसलें

बाढ़ ने चीन को कर दिया कंगाल

बीजिंग , एजेंसी

चीन में इन दिनों कुदरत का भीषण कहर बरप रहा है। यहां पर जलवायु परिवर्तन की वजह से पहले भयंकर सूखे और गर्मी की मार झेलनी पड़ी थी। अब चीन में भारी बारिश के कारण आई बाढ़ ने हलाकान कर रखा है। बताया जा रहा है कि यहां पर आए तूफान डोकसूरी की वजह से भीषण बारिश हो रही है। जिसके चलते बीजिंग और उसके आसपास के इलाके बाढ़ के पानी से जलमग्न हो गए हैं। बाढ़ की वजह से चीन के कई इलाकों की फसल पानी में बह गई है। जानकारी बता रहे हैं ?कि यहां पर अब स्थिति ऐसी बनने जा रही है कि चीन ने आने वाले दिनों में खाने के अनाज के लाले पड़ने वाले हैं। चीन का पूर्वी और उत्तरी हिस्सा काफी उपजाऊ है, लेकिन इस समय भीषण बाढ़ की वजह से सभी इलाके बाढ़ में डूबे हैं। अभी तक 10 लाख लोग विस्थापित हो चुके हैं जबकि 30 लोगों की मौत की खबर है।यहां पर आई भीषण बाढ़ में कई लोग लापता हो गए हैं, जिन्हें तलाशा जा रहा है। यहां का हेबई प्रांत बाढ़ से सबसे अ?धिक प्रभावित बताया जा रहा है। ये चीन का सबसे उपजाऊ इलाकों में गिना जाता है। चीन के तीन प्रांत जो यहां के कृषि की लाइफ लाइन हैं उनमें हेइलोंगजियांग, जिलिन और लियाओनिंग, ये सभी इलाके अभी बाढ़ में डूबे हुए हैं। यहां उगाई जाने वाली तीन प्रमुख फसलें सोयाबीन, मक्का और चावल हैं। लेकिन बाढ़ की वजह से फसलें बर्बाद हो गई हैं। जानकारी के अनुसार जिलिन प्रांत में 14 लोगों की बाढ़ से मौत हो चुकी है जबकि 18 हजार लोग विस्थापित हुए हैं। वहीं हेइलोंगजियांग 90 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में फैले फसल बाढ़ में बह गए हैं यहां पर चावल और सब्जियां पूरी तरह तबाह हो गई हैं। हेइलोंगजियांग की राजधानी से सटे शांगजी में भी 42,575 हेक्टेयर में फैले फसल तबाह हो गए हैं। वहीं, वुचांग, जो चावल के उत्पादन के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है, वहां बाढ़ से तबाही का अभी आकलन किया जा रहा है। गौरतलब है कि पिछले साल भीषण गर्मी की वजह गेहूं का उत्पादन पहले तबाह हो चुका है। अब भारी बारिश की वजह से चावल की फसल भी बर्बाद हो चुकी है। चीन के कृषि मंत्रालय ने भी कहा है कि देश का कृषि उद्योग पूरी तरह से तबाह हो चुका है।

चीन का युद्धपोत पहुंचा कोलंबो बंदरगाह, निगरानी करने में है सक्षम

भारत जता चुका है चिंता

बीजिंग , एजेंस

श्रीलंकाई नौसेना ने कहा है कि चीन की सेना 'पीपुल्स लिबरेशन आर्मी का नौसैनिक युद्धपोत हाइ यांग 24 हाओ गुरुवार को कोलंबो बंदरगाह पहुंचा. कोलंबो पहुंचे 129 मीटर लंबे जहाज पर 138 लोगों का दल सवार है। चीन की नौसेना का, निगरानी करने में सक्षम एक युद्धपोत कोलंबो बंदरगाहपहुंचा है। लगभग एक साल पहले चीन का एक अन्य जासूसी जहाज जब श्रीलंका के एक रणनीतिक बंदरगाह आया था तब भारत की ओर से चिंता जतायी गई थी।श्रीलंकाई नौसेना ने कहा है कि चीन की सेना 'पीपुल्स लिबरेशन आर्मी का नौसैनिक युद्धपोत हाइ यांग 24 हाओ गुरुवार को कोलंबो बंदरगाह पहुंचा। जहाज की वापसी शनिवार को होनी है। उसने कहा, 'कोलंबो पहुंचे 129 मीटर लंबे जहाज पर 138 लोगों का दल सवार है और इसकी कमान कमांडर जिन शिन के पास है। जहाज कल देश से प्रस्थान करने वाला है।'

भारत द्वारा चिंता जताने पर श्रीलंका ने उठाया ये कदम

शुक्रवार को मीडिया में आयी खबरों के अनुसार, भारत द्वारा चिंता जताए जाने के बाद श्रीलंका ने उसका आगमन विलंबित कर दिया। 'डेली मिरर' अखबार की खबर के अनुसार, ''चीनी अधिकारियों ने इसके लिए पहले ही अनुमति मांगी थी, लेकिन भारत के प्रतिरोध के कारण श्रीलंका ने अनुमति देने में देरी की।'श्रीलंका द्वारा भारतीय अधिकारियों को जानकारी दिये जाने के बावजूद, भारत अनुसंधान जहाज की श्रीलंका यात्रा को लेकर चिंतित रहा है। पिछले साल अगस्त में, चीन के बैलिस्टिक मिसाइल और उपग्रह ट्रैकिंग जहाज, 'युआन वांग 5' की इसी तरह की यात्रा पर भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया जताई थी। उक्त जहाज श्रीलंका के हंबनटोटा बंदरगाह पहुंचा था।भारत को आशंका थी कि श्रीलंकाई बंदरगाह जाने के रास्ते में जहाज की प्रणाली से भारतीय रक्षा प्रतिष्ठानों की जासूसी करने का प्रयास किया जा सकता है। हालांकि, श्रीलंका ने काफी विलंब के बाद, जहाज को एक चीनी कंपनी द्वारा बनाए जा रहे हंबनटोटा बंदरगाह आने की अनुमति दी थी।

कुत्ते की हुई तेरहवीं, ब्रह्मभोज में जुटा पूरा गांव, लोग बोले- वफादार था

बागपत, एजेंसी । पश्चिमी यूपी के बागपत जिले स्थित बिजरोल गांव में 12 साल से एक फैमिली मेंबर की तरह रह रहा डॉग टॉमी जब एकदिन दुनिया को छोड़कर चला गया तो उसकी याद में गांव वालों ने वो सबकुछ किया जो पालतू जानवरों से किए जाने वाले प्रेम की मिसाल बन गया. गांव वालों ने अपने डॉग का नाम टॉमी उर्फ मुन्ना रखा था। वह गांव के लोगों को अच्छी तरह से पहचानता था। सब उसे खूब प्यार करते थे। रात वो किसी भी अनजान शख्स को मोहल्ले में नहीं घुसने देता था, इसी वजह से लोग खुद को पूरी तरह सुरक्षित महसूस करते थे। ऐसे में टॉमी की मौत पर पूरा गांव इकट्ठा हुआ। लोग रोए और उसे आखिरी विदाई देने के बाद उसकी आत्मा की शांति के लिए हवन और पूजा पाठ कराने के साथ उसे श्रद्धांजलि देने के बाद ब्रह्मभोज का आयोजन कराया गया। हिंदू धर्म की मान्यताओं के अनुसार किसी व्यक्ति की मृत्यु होने के बाद उसकी आत्मा की शांति के लिए तेरहवीं और ब्रह्मभोज का आयोजन किया जाता है। टॉमी की आत्मा की शांति के लिए जो कार्यक्रम आयोजित हुआ उसमें गांव के सैंकड़ों लोग शामिल हुए, सभी ने भावुक होते हुए नम आंखों के साथ अपने पालतू डॉग को याद किया। इस दौरान वहां मौजूद लोग भावुक हो गए।

भारतीय बच्चों का यौन शोषण करने वाले ब्रिटिश टीचर को हुई 12 साल की सजा

लंदन , एजेंसी

ब्रिटेन के पूर्व प्रायमरी टीचर को भारतीय बच्चों के यौन शोषण के मामले में लंदन की एक जिला अदालत ने 12 साल की सजा सुनाई है। जानकारी के अनुसार यह मामला भारतीय बच्चों से जुड़ा हुआ है। दोषी की पहचान दक्षिण लंदन के ईस्ट डलविच के रहने वाले मैथ्यू स्मिथ के रूप में हुई। ब्रिटेन की राष्ट्रीय अपराध एजेंसी एनसीए का कहना है कि 35 साल के स्मिथ को पिछले साल नवंबर में अरेस्ट किया गया था। जांच के दौरान इस बात का खुलासा हुआ है कि वो 17-18 साल के भारतीय बच्चों से संपर्क करता और रुपये के एवज में इन्हें 13 साल से कम उम्र के छोटे बच्चों

के साथ यौन शोषण कर, उनके फोटो व वीडियो मुहैया कराने के लिए कहता था। जांच एजेंसी ने बताया कि मैथ्यू स्मिथ में पीडति बच्चों के प्रति कोई सहानुभूति नहीं है। उसने कम उम्र के युवकों को बच्चों के साथ दुर्व्यवहार के लिए मजबूर किया। दोषी शख्स ऐसे मौकों की तलाश में रहता, जिसके तहत वो भारतीय बच्चों तक अधिक से अधिक पहुंच बना सके। जांच एजेंसी ने यह भी दावा किया है कि पूर्व टीचर स्मिथ अपनी गिरफ्तारी के वक्त भी ऑनलाइन था और वो भारत में रहने वाले एक कम उम्र के बच्चे से बातचीत कर रहा था। वो इस बच्चे को मोटी रकम ऑफर कर बदले में एक अन्य छोटे बच्चे की यौन तस्वीरें भेजने के लिए कह रहा था। स्मिथ के कंप्यूटर पर डार्क वेब भी खुला था। एनसीए की तरफ से कहा गया कि मैथ्यू स्मिथ बच्चों के लिए एक बड़ा खतरा है। यह सुनिश्चित किया गया है कि वो लंबा वक्त जेल में बिताए। उसके चैट और बैंक स्टेटमेंट की जांच की गई, जिसमें पता चला कि वो भारत में रहने वाले एक किशोर को बच्चों के यौन शोषण के लिए कुल 65,398 पाउंड दे भी चुका था।

अमेरिका से 60 चिनूक खरीदेगा जर्मनी

वाशिंगटन , एजेंसी । जर्मनी के पास नाटो का दूसरा सबसे बड़ा मिलिट्री हेलिकॉप्टर बेड़ा होगा। पिछले महीने जर्मनी ने दुनिया के सबसे तेज 60 चिनूक हेलिकॉप्टर खरीदने की घोषणा की थी। शुक्रवार को जर्मनी के एयरफोर्स चीफ इंगो गेरहार्ट्ज ने बताया कि वो 72.75 हजार करोड़ में बोइंग कंपनी से ये हेलिकॉप्टर खरीद रहे हैं।इससे अमेरिका के बाद जर्मनी नाटो का सबसे ज्यादा मिलिट्री हेलिकॉप्टर रखने वाला देश बन जाएगा। इनमें से 50 हेलिकॉप्टर ईस्ट जर्मनी के होल्जडॉर्फ साइट पर तैनात रहेंगे। यहां 1 हजार एक्स्ट्रा सैनिकों की नियुक्ति भी की जाएगी। गेरहार्ट्ज ने बताया- शोएनेवाल्डे साइट एयरफोर्स, पूरे बुंडेसवेहर आर्म्ड फोर्स और जर्मनी की सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

अमेरिका में सिख पुलिसकर्मी को दाढ़ी बढ़ाने से रोकने पर भारतीय दूतावास ने जताई आपत्ति

वाशिंगटन , एजेंसी

अमेरिका के न्यूयॉर्क स्टेट पुलिस पर एक सिख पुलिसकर्मी को दाढ़ी बढाने से रोकने का आरोप लगा है. जिसको लेकर वॉशिंगटन स्थित भारतीय दूतावास ने आपत्ति जताई है। ऐसे में यह विवाद अब तूल पक्ड़ता दिख रहा है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय दूतावास ने अब इस मुद्दे को न्यूयॉर्क स्टेट गवर्नर के समक्ष उठाया है। इसके साथ ही अमेरिका के सांसदों ने भी इस घटना पर चिंता जाहिर की है और इसे धार्मिक भेदभाव करार दिया है।दरअसल, पूरा मामला न्यूयॉर्क राज्य के सैनिक चरणजोत तिवाना से जुडा हुआ है, जिन्होंने पिछले साल मार्च में अपनी शादी के लिए दाढ़ी बढ़ाने की अनुमति मांगी थी। हालांकि, उनके अनुरोध को इस आधार पर अस्वीकार कर दिया गया था कि गैस मास्क पहनने पर दाढ़ी रखने से सुरक्षा जोखिम पैदा हो सकता है। ऐसे में इसकी अनुमति नहीं मिल सकती।

भारतीय अधिकारियों ने गवर्नर के समक्ष उठाया मुद्दा

अब भारतीय अधिकारियों ने इस मुद्दे को न्यूयॉर्क राज्य के गवर्नर के समक्ष उठाया है। साथ ही इस मामले को अमेरिका में भारत के राजदूत तरनजीत सिंह संधू ने बाइडेन प्रशासन के शीर्ष स्तर के अधिकारियों के सामने उठाया है। विवाद बढ़ता देख अधिकारियों ने कहा है कि न्यूयॉर्क स्टेट पुलिस और गवर्नर कार्यालय इस पर काम कर रहे हैं। वहीं, इस मामले पर न्यूयॉर्क स्टेट असेंबली में क्वींस का प्रतिनिधित्व करने वाले डेविड वेप्रिन ने न्यूयॉर्क स्टेट पुलिस में तिवाना के दाढ़ी बढ़ाने के अनुरोध को अस्वीकार करने को धार्मिक भेदभाव की एक चिंताजनक घटना बताया है। वेप्रिन ने इस मुद्दे पर ट्वीट करते हुए कहा कि धार्मिक भेदभाव को दूर करने के लिए साल 2019 में एक कानून बनाया गया था। जिसमें साफ तौर पर कहा गया था कि किसी को भी अपने धर्म का पालन करने और अपना काम करने के बीच चयन नहीं करना होगा। ऐसे में यह मामला कानून का उल्लंघन है। वहीं, सिख ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष गुरविंदर सिंह ने इस मसले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि न्यूयॉर्क राज्य देश में सबसे विविधतापूर्ण है और अगर हम उन अधिकारियों को उनके धर्म और उनके विश्वास के साथ सेवा नहीं करने देंगे, तो हमारे पास पर्याप्त पुलिस अधिकारी नहीं होंगे।

न्यूयॉर्क पुलिस ने दी सफाई

सीबीएस न्यूज़ ने अपनी एक रिपोर्ट में न्यूयॉर्क राज्य पुलिस के प्रवक्ता ने कहा, हमने हाल ही में चेहरे के बालों के संबंध में अपने दिशानिर्देशों को अपडेट किया है। न्यूयॉर्क राज्य पुलिस वर्दी और पगड़ी के डिजाइन पर और काम कर रही है। बता दें कि साल 2016 में न्यूयॉर्क पुलिस विभाग ने सिख पुलिस अधिकारियों को वर्दी के साथ पगड़ी पहनने की इजाजत दे दी थी।

आराम से काम कर रही थी महिला पर आसमान से गिरा सांप

कीव, एजेंसी

पैगी जोन्स नाम की 64 वर्षीय महिला अपने पति के साथ सिल्स्बी, टेक्सास में 25 जुलाई को, अपने घर के अहाते में काम कर रही थी। अचानक, एक सांप आसमान से गिरा और जोन्स की दाहिनी बांह से लिपट गया।महिला ने सांप को हिलाने की कोशिश की लेकिन सांप बांह से लिपटा रहा और उसके चेहरे पर वार करना शुरू कर दिया।कुछ ही क्षण बाद, एक बाज़ झपट्टा मारकर गिरा और अपने खोए हुए शिकार को वापस पाने की कोशिश में जोन्स की बांह पर हमला करने लगा। जोन्स ने न्यूयॉर्क टाइम्स को बताया, 'मैं तुरंत चिल्लाई और सांप को भगाने के लिए अपना हाथ घुमाना शुरू कर दिया.' उन्होंने कहा, 'मैं चिल्ला रही थी,

यीशु, मेरी मदद करो, कृपया, यीशु, मेरी मदद करो! सांप बहुत ज़ोर से भींच रहा था और मैं अपनी बाहें हवा में लहरा रहा थी।'

सांप मेरे चेहरे पर वार कर रहा था

जोन्स ने सीबीएस न्यूज को बताया, 'सांप मेरे चेहरे पर वार कर रहा था, उसने मेरे चश्मे पर कई बार वार किए..।मैं बार-बार अपने को बचा रही थी, वह वार कर जा रहा था.'आखिरकार, सांप को जोन्स की बांह से हटा दिया गया और उसके पति ने उसे अस्पताल पहुंचाया।उन्होंने सीबीएस न्यूज को बताया, घाव, कट, खरोंच, और गंभीर चोट के निशान थे.' उन्होंने बताया कि उनके चेहरे पर सांप के हमले से उनका चश्मा क्षतिग्रस्त हो गया.जोन्स ने हमले को गंभीर रूप से दर्दनाक बताया, साथ ही कहा कि उसे लगा कि वह मरने वाली है और ऐसा होने के बाद से उसे सोने में परेशानी हो रही है.जोन्स ने मीडिया आउटलेट को बताया कि वह वन्यजीव मुठभेड़ों के लिए कोई अजनबी नहीं है।उन्होंने कहा, 'वास्तव में मैंने एक बाज को सांप को उठाते हुए देखा है।वे ऐसा ही करते हैं, इसी तरह वे अपने शिकार को मारते हैं।

भारत की मांग पर खालिस्तान कट्टरपंथ पर लगाम लगाएगा ब्रिटेन

95 हजार पाउंड की फंडिंग का किया ऐलान

लंदन , एजेंसी

ब्रिटेन ने खालिस्तान समर्थक उग्रवाद से निपटने के लिए भारत की अपील पर बड़ा कदम उठाया है. यहां की सरकार ने देश में खालिस्तान समर्थक कट्टरपंथियों पर लगाम लगाने के लिए 95,000 पाउंड (लगभग एक करोड़ रुपये) की नई फंडिंग की घोषणा की है। भारत में ब्रिटेन के उच्चायुक्त ने यह जानकारी दी। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में ब्रिटिश उच्चायोग ने कहा कि ब्रिटेन के सुरक्षा मंत्री टॉम टुगेनहाट ने गुरुवार को खालिस्तान समर्थक उग्रवाद÷ से निपटने के लिए देश की क्षमता बढ़ाने के लिए 1 करोड़ रुपए की नई फंडिंग की घोषणा की। इसमें कहा गया कि 95 हजार पाउंड के निवेश से ब्रिटेन सरकार की खालिस्तान समर्थक उग्रवाद को समझने में मदद मिलेगी।

भारत के विदेश मंत्री से मुलाकात के बाद आया फैसला

उन्होंने यह घोषणा टुगेनहाट की भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात के तुरंत बाद की।

गौरतलब है कि ब्रिटेन में खालिस्तानी समर्थक तत्वों की बढ़ती गतिविधियों पर भारत कई बार चिंता जाहिर कर चुका था। मार्च में लंदन में भारतीय उच्चायोग पर कुछ खालिस्तानी तत्वों के हमले के बाद नई दिल्ली ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी।

भारत में हैं टुगेनहाट

उच्चायोग ने शुक्रवार को कहा कि गुरुवार को नई दिल्ली में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ एक बैठक के दौरान मंत्री टुगेनहाट ने खालिस्तान समर्थक चरमपंथ से निपटने के लिए यूके की क्षमता बढ़ाने के लिए नई फंडिंग की घोषणा की। बता दें कि सुरक्षा पहल पर द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा देने और जी20 की भ्रष्टाचार विरोधी मंत्रिस्तरीय बैठक में भाग लेने के लिए टुगेनहाट भारत में हैं। टुगेनहाट ने कहा कि दुनिया का सबसे पुराना और सबसे बड़ा लोकतंत्र होने के नाते हमारे बहुत से साझा अवसर हैं, जिससे दुनिया को सुरक्षित और अधिक समृद्ध बनाया जा सकता है। गौरतलब है कि ब्रिटेन में हाल के सालों में खालिस्तानी कट्टरपंथ तेजी से उभरा है, जिसपर भारत पहले भी कई बार कढी आपत्ति जता चुका है।

इमरान सरकार गिराने में यूएस का हाथ होने का दावा

वॉशिंगटन । एक अमेरिकी मीडिया हाउस ने लीक डॉक्यूमेंट के हवाले से दावा किया है कि अप्रैल 2022 में इमरान खान की सरकार अमेरिकी दबाव के चलते गिराई गई थी। इमरान खुद भी सरकार गिरने के बाद कई रैलियों में यह आरोप लगाते रहे हैं कि उनकी सरकार को अमेरिका के इशारे पर पाकिस्तान की फौज ने गिराया था। हालांकि, वो खुद अब इस आरोप को वापस ले चुके हैं। 'द इंटरसेप्ट' अमेरिकी मैगजीन है। उसने दावा किया है कि पिछले साल इमरान सरकार के खिलाफ जो अविश्वास प्रस्ताव या नो कॉन्फिडेंस मोशन लाया गया था, उसके पीछे जो बाइडेन एडमिनिस्ट्रेशन की नाराजगी थी। इस नाराजगी की वजह खान का मॉस्को दौरा बताया गया है, जो उन्होंने 24 फरवरी 2022 को किया था। इसी दिन रूस ने यूक्रेन पर हमला किया था और यह जंग आज भी जारी है।

आईएसआईएस के आतंकवादियों ने सीरियाई सैनिकों की बस को बनाया निशाना

ताबड़तोड़ फायरिंग में 23 लोगों की मौत

मॉस्को , एजेंसी

सीरिया में साल 2019 के दौरान अपने क्षेत्र का आखिरी हिस्सा खो दिया था. इसके बावजूद समूह ने विशाल सीरियाई रेगिस्तान में ठिकाने बना रखे हैं। जहां से सैनिकों पर हमला करते हैं।सीरिया में शुक्रवार (11 अगस्त) को सीरियाई सैनिकों की बस पर आतंकवादियों ने ताबड़तोड़ गोलियों से हमला किया। ये हमला संघर्षग्रस्त देश सीरिया के पूर्वी हिस्से में किया गया जिसमें कम से कम 23 सीरियाई सैनिकों की जान चली गई। वहीं 10 से अधिक सैनिक बुरी तरह से घायल हो गए।सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा कि आईएसआईएस के सदस्यों ने गुरुवार को दीर एजोर प्रांत में एक सैन्य बस को निशाना बनाया। आपको बता दें कि हाल के दिनों में जिहादी समूह के बचे हुए लोगों ने अपने हमले तेज कर दिए हैं।

लगातार सैनिकों पर हमला

सीरिया में ब्रिटेन बेस्ड ग्रुप काम करती है। वो वहां कई तरह के इंटरनल सोर्स पर निर्भर होकर काम करती है। उन्होंने जानकारी दी कि हमले में 23 सैनिक मारे गए और 10 से अधिक घायल हो गए है। घायल सैनिकों में से कुछ की हालत बेहद गंभीर बताई जा रही है। वहीं कई सैनिक हमले के बाद से लापता हैं। सीरिया में साल 2019 के दौरान आईएसआईएस ने अपने क्षेत्र का आखिरी हिस्सा खो दिया था। इसके बावजूदआईएसआईएस समूह ने विशाल सीरियाई रेगिस्तान में ठिकाने बना रखे हैं। जहां से उसने घात लगातार मौकों पर सैनिकों को अपने हमले का शिकार बनाया है। हाल के सप्ताहों में सदस्यों ने सीरिया के उत्तर और उत्तर-पूर्व में अपने हमले बढ़ा दिए हैं. ऑब्जर्वेटरी ने बीते मंगलवार (8 अगस्त) को कहा कि इस सप्ताह की शुरुआत में पूर्व जिहादी गढ़ राका प्रांत में हमले में 10 सीरियाई सैनिक और सरकार समर्थक लड़ाके मारे गए थे. अमेरिका अभी भी सीरिया में अपने सैनिक छोड़े हुए है, जो सैनिकों को मारने का काम करते हैं।

सार-समाचार

स्वतंत्रता दिवस समारोह का किया गया अंतिम रिर्हसल

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर/ जिले में स्वतंत्रता दिवस समारोह भव्य एवं गरिमामय ढंग से मनाया जाएगा। स्वतंत्रता दिवस समारोह के आयोजन हेतु सांस्कृतिक दलों एवं मार्चपास्ट का आज अंतिम रिर्हसल किया गया। जिसमें जिला पंचायत सीईओ सुश्री लीना कोसम ने मुख्य अतिथि की भूमिका निभाई। इस रिर्हसल में जिला पुलिस बल, नगर सैनिकों द्वारा आकर्षक मार्चपास्ट किया गया। इसके साथ ही स्कूली बच्चों के द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। रिहर्सल कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक श्री आई. कल्याण एलेसेला, संयुक्त कलेक्टर सुश्री डॉ. प्रियंका वर्मा, एसडीएम श्री रवि सिंह व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

13 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा कार्यक्रम

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर/ भारतीय ध्वज तिरंगा राष्ट्र का प्रतीक है। आज़ादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत 13 से 15 अगस्त, 2023 तक हर घर तिरंगा कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत सभी भारतीय नागरिको को राष्ट्रीय ध्वज अपने घर पर फहराने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। शासन द्वारा जारी निर्देश के तहत राज्य सरकार की वेबसाइटों और सोशल मीडिया का उपयोग कर जागरूकता जिले के अन्तर्गत सार्वजनिक उपक्रमों, स्व-सहायता समूहों, सामाजिक संगठनों आदि के समस्त कर्मचारियों एवं उनके परिवार की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने कहा गया है। कॉर्पोरेट और निजी संगठनों को भी सीएसआर संसाधनों सहित भाग लेने और योगदान करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। अमृत महोत्सव हर घर तिरंगा कार्यक्रम को वेबसाइट हर घर तिरंगा डॉट कॉम के माध्यम से लिंक किया जाएगा। शासन स्तर पर मॉनिटरिंग कर ग्राम सरपंचों एवं पंचायत के अन्य सदस्य एवं पदाधिकारियों की सहभागिता सुनिश्चित कर तिरंगा कोड को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त तिरंगा की मांग का पता लगाने के लिए ग्राम सभा आयोजित किया जाएगा । शासकीय स्तर पर प्रत्येक गाँव में तिरंगा वितरण और बिक्री केन्द्र स्थापित किया जाएगा। स्थानीय स्व-सहायता समूहों को तिरंगा के निर्माण के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। ग्राम पंचायतो द्वारा बड़े पैमाने पर समूह में खरीदी को प्रोत्साहित किया जाएगा। समस्त शासकीय भवनों एवं संस्थानों में तिरंगा फहराना सुनिश्चित करेंगे। पैम्पलेट, बैनर, स्टैण्डज आदि के माध्यम से स्वतंत्रता सप्ताह हर घर तिरंगा कार्यक्रम को सफल बनाने स्थानीय भाषाओं में प्रमुखता से प्रचार-प्रसार करेंगे। जिले में तिरंगा के वितरण, बिक्री केन्द्र के रूप में उचित मूल्य की दुकान का विशाल नेटवर्क स्थापित करेंगे। टोल नाका, चेक पोस्ट आदि में पैम्पलेट स्टीकर वितरण किया जायेगा। स्वतंत्रता सप्ताह हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम पंचायतों को तिरंगों के भंडारण एवं वितरण के लिए नोडल संस्थाओं के रूप में नामांकित किया जाएगा।

बिहारपुर में मतदाता जागरूकता रैली निकाली

सूरजपुर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संजय अग्रवाल के निर्देशानुसार ग्राम बिहारपुर विकासखंड ओडगी में मतदाता जागरूकता अभियान के तहत विशाल रैली निकाली गई। ग्राम के चौक चौराहों पर आम जनता के बीच मतदान करने हेतु नारा लगाया गया व लोगों को समझाया गया कि मतदान आपका अधिकार है मतदान करना क्यों आवश्यक है। रैली में कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिहारपुर, बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिहारपुर के छात्र छात्राएं शामिल थे, जिला शिक्षा अधिकारी श्री ललित पटेल, सहायक संचालक श्री रविन्द्र देव सिंह, जिला परियोजना अधिकारी साक्षर भारत श्री रोहित कुमार सोनी, विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी ओडगी श्री राजीव कुमार सिंह के मार्गदर्शन में मतदाता जागरूकता अभियान को सफल बनाते हुए इनके मार्गदर्शन में ग्राम कैलाशनगर, बांकी व लुल्ह में, जहां पिछले चुनाव में वोट बहिष्कार जैसी स्थिति बनी थी वहां मतदान करने हेतु रैली निकाली गई और लोगों को मतदान करना क्यों आवश्यक है बताया गया। जिसमें ग्रामीणजन भी रैली में शामिल होकर एक मजबूत लोकतंत्र बनाने हेतु मतदान करने का संकल्प लिया।

नेता आते नहीं , एकमात्र तुलिका कर्मा पहुची थी गांव

समस्याओं से जूझ रहा है भांसी कलारपारा

दंतेवाड़ा (भारत भास्कर) भांसी कलारपारा के लगभग 25 परिवार मूलभूत समस्याओं को लेकर जूझ रहे हैं ।यहां बिजली नहीं है ।

इस मुख्य समस्या के समाधान के लिए रहवासी हर उस दरवाजे तक पहुचे जहां से भी इसका हल दिखा ।एक वर्ष पूर्व तक निराकरण की उम्मीद भी बढ़ गयी थी लेकिन अब केवल निराशा हैं ।उल्लेखनीय है कि यहां वैकल्पिक व्यवस्था के लिए क्रेडा विभाग ने अपना प्लेट लगा दिया है जो अक्सर खराब रहता है ।बिजली के लिए मुख्य बाधा रेलवे क्रासिंग था लेकिन ग्रामीणों ने किसी तरह रेलवे के अधिकारियों से संपर्क कर रास्ता निकाला और वर्तमान में दंतेवाड़ा बिजली ऑफिस से दस्तावेज विशाखापटनम भेजना ही शेष है लेकिन अब तक औपचारिकता के तौर पर यह जरूरी दस्तावेज नहीं भेजने की वजह ग्रामीण समझ नहीं पा रहे हैं ।जबकि रेलवे विभाग ने सहमति भी दे दी है ।दूसरी ओर नवरत्न

कंपनी की गोद में बैठे ग्राम की बदहाली व्यवस्था की पोल खोल देती है ।करोडों रुपये के फंड को लेकर चर्चा में रहने वाला एनएमडीसी और आर्सेलर मित्तल भी वर्षो से क्षेत्र का दोहन कर रहे हैं ।पहाड़ के नीचे बसा गांव अंधेरे के साथ लाल आतंक और लाल जहर का भी दंश झेल रहा हैं ।जहां-तहां वेस्ट मटेरियल से जमीनें भी बर्बाद हो रही हैं तो नदी में लाल जहर घुलकर ग्रामीणों के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव भी डाल रही है ।इन विषयों पर यदा-कदा आंदोलन भी होता है लेकिन ठगा जाता है केवल ग्रामीण ।पहाड़ से सटे इन अंधेर ग्रामों में जंगली जानवरों का भी बड़ा खतरा है ।इन सारी परिस्थितियों से लड़ते ग्रामीण प्रयास जारी रखे हैं और खासकर नेताओं से बेहद नाराज होकर कहते हैं वोट लेते समय वादा करके गायब हो जाते हैं इस चुनाव में सबक सीखा देने की बात कहते है ।वैसे एकमात्र नेता जिला पंचायत अध्यक्ष तुलिका कर्मा हैं जो इस ग्राम में आ चुकी हैं ।इन विषयों के लिए ग्रामीण जिला कलेक्टर से मिलकर आवेदन देने का प्रयास कर रहे हैं और उन्हें उम्मीद भी है कि उनकी मूलभूत समस्या का हल भी निकलेगा ।

ग्राम पंचायत तुड़पारास में जनपद उपाध्यक्ष, सरपंच सचिव ने किया वृक्षारोपण बताया महत्व

बसुधा वंदन मोर माटी मोचो देश कार्यक्रम

दंतेवाड़ा (भारत भास्कर) तुड़पारस मरकाम पारा सरपंच श्रीमती सरोज नाग ने बताया की वर्षा ऋतु में वृक्षारोपण करने से पर्यावरण संतुलित रहता है।

और इस वर्षा ऋतु में वृक्षारोपण करने से पेड़ -पोधों को पर्याप्त मात्रा में पानी मिल जाता है। और हमें ये शुद्ध ऑक्सीजन प्रदान करते हैं।

वृक्षारोपण से मिलता है जीवन में पुण्य वृक्षों के बिना जीवन का कोई मूल्य नहीं है इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में वृक्षारोपण कर उसकी देखरेख की जानी चाहिए।

सचिव सुरेश ठाकुर ने बताया कि वृक्षारोपण करने से तापमान में गिरावट व अधिक वर्षा होती है। वृक्षारोपण को ग्राम वासियों ने बड़ी खुशी और हर्षोल्लास के साथ मनाया

इस अवसर पर ग्राम तुड़पारस सरपंच सरोज नाग, सचिव सुरेश ठाकुर, जनपद उपाध्यक्ष, जयदयाल नागेश, संतोष नाग, सोनमती मरकाम, ग्राम पटेल हेमंत नाग, अरविंद नाग, प्रभु नागेश, माता बहने उपस्थित थे।

देवनगर के छात्र छात्राओं ने निकाली मतदाता जागरूकता रैली

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर रामानुजनगर/ शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय देवनगर के छात्र छात्राओं ने आज गांव में भ्रमण कर मतदाता जागरूकता रैली निकाली। पूरे छत्तीसगढ़ में इस समय स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत मतदाताओं को जागरूक करने का अभियान चलाया जा रहा है,इसी क्रम में आज देवनगर विद्यालय के छात्रों ने प्राचार्य शंभू प्रसाद निषाद के नेतृत्व में रैली निकाल कर मतदाताओं को जागरूक किया, साथ ही जो भी 18 वर्ष का व्यक्ति मतदाता सूची में अपना नाम नही जुड़वाया है उन्हे नाम जुड़वाने के लिए प्रेरित किया । छात्रों ने मानव श्रृंखला बनाकर भारत का नक्शा बनाया और स्वीप का भी मानव श्रृंखला बनाया। विद्यालय स्तर पर मतदाता जागरूकता हेतु रंगोली प्रतियोगिता और निबंध प्रतियोगिता भी कराया गया । भारत माता का नक्शा बनाकर बच्चों को शपथ दिलाया गया कि जो भी 18 वर्ष से उपर के बच्चे हैं या फिर जो भी व्यक्ति हैं खुद मतदान करेंगे और मतदान हेतु प्रेरित करेंगे।इस पूरे मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के दौरान ब्लॉक समन्वयक हजारी लाल चक्रधारी एवम् विद्यालय के शिक्षक रमेश प्रजापति,विजेंद्र सिंह,आदित्य दुबे,शिवम यादव,संजय साहू एवम् समस्त शिक्षक उपस्थित रहे ।

स्वतंत्रता दिवस पर जिला मुख्यालय में योजना आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम करेंगे ध्वजारोहण

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर / राज्य योजना आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय में आयोजित मुख्य समारोह में ध्वजारोहण करेंगे। डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम परेड की सलामी लेंगे और जनता के नाम मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन करेंगे । जिला प्रशासन द्वारा आयोजित गरिमामय स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्य अतिथि द्वारा सुबह 9 बजे ध्वजारोहण किया जाएगा। इसके बाद परेड का निरीक्षण करने के बाद मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन होगा। कार्यक्रम में शालेय छात्र-छात्राओं द्वारा शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी। मुख्य समारोह में शहीद के परिजनों को सम्मानित किया जाएगा। समारोह में पुरस्कार वितरण के बाद मुख्य अतिथि प्रस्थान करेंगे। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने राष्ट्रीय पर्व के आयोजन की तैयारियों के लिए जिला स्तरीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करते हुए अलग-अलग दायित्व सौंपा है।

कलेक्टर विनीत नंदनवार ने फाइनल रिहर्सल का किया निरीक्षण

दंतेवाड़ा (भारत भास्कर)। कलेक्टर विनीत नंदनवार ने आज जिला मुख्यालय में स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह में आयोजित होने वाली परेड एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की फाइनल रिहर्सल का निरीक्षण किया। कलेक्टर नंदनवार की उपस्थिति में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों को अंतिम रूप से तय किया गया। इस दौरान कलेक्टर ने मुख्य समारोह हेतु की जा रही तैयारियों का भी जायजा लिया एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिये। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक गौरव राय, अपर कलेक्टर संजय कन्नौजे, एडिशनल एसपी रामकुमार बर्मन, संयुक्त कलेक्टर सुरेंद्र कुमार ठाकुर सहित अन्य अधिकारी एवं सभी शैक्षणिक संस्थाओं के प्रभारी, शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

कहीं नाच गाना तो कहीं रामायण पाठ

बारिश की कामना को लेकर देवी देवताओं की शरण में ग्रामीण

राज शार्दुल

कोंडागांव जिले में अच्छी बारिश नहीं होने से किसान काफी चिंतित हैं। क्षेत्र के किसान अब बारिश की कामना को लेकर देवी-देवताओं की शरण ले रहे हैं। ग्राम बांसकोट के ग्रामीण अच्छी बारिश की मनौती को लेकर गांव के बजरंगबली मंदिर में अखंड रामायण का आयोजन कर रहे हैं। वही ग्राम कोरगांव बालेंगा एवं राहटीपारा आदि गांव में भी अल्प वर्षा से परेशान ग्रामीण देवी देवताओं को खुश करने के लिए नाच गाने की तैयारी कर रहे हैं। ग्राम बांसकोट में शनिवार की सुबह अखंड रामायण का आयोजन शुरू हुआ जहां दिन रात लगातार रामचरितमानस का पाठ चलता रहा। बांसकोट के ग्रामीणों ने बताया कि वे अच्छी बारिश की कामना को लेकर गांव के प्राचीन पीपल वृक्ष के नीचे बैठकर बजरंगबली के समक्ष इंद्र देव को खुश करने के लिए अखंड

रामायण का पाठ शुरू किया जहां दो दिन रात अखंड रूप से रामचरितमानस का संगीतमय अखंड रामायण चलता रहा। ग्रामीण बलराम बड़जात्या, रामकुमार बिसेन, संतोष साहू, बंसी पांडे आदि ने बताया कि इस समय बारिश के अभाव में कृषि कार्य थम सा गया है वहीं जहां धान का रोपाई हो चुका है वहां फसल खराब होने की स्थिति में है। खेतों में जलभराव नहीं होने से खरपतवार की समस्या अलग पैदा हो रही है। साथ ही बारिश के अभाव में फसल में बीमारियों का प्रकोप। बढ़ रहा है।

बताया गया कि जब भी ग्रामीणों ने अपनी कामना को लेकर अखंड रामायण का आयोजन किया है तब तब उनकी मुराद पूरी हुई है इस समय ग्रामीणों के द्वारा बारिश को लेकर अखंड रामायण का आयोजन किया गया है। ग्राम कोरगांव के सरपंच रामायण ध्रुव ने बताया कि बारिश के अभाव में धान एवं मक्के की खड़ी फसल खराब होने की स्थिति में है। ज्यादातर क्षेत्र असिंचित होने के कारण किसानों के सामने गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। इस समय ग्रामीणों के पास देवी-देवताओं के सहारा के अलावा और कोई चारा नहीं दिखाई दे रहा है। शीघ्र ही गांव में बैठक होने वाली है जिसमें गांव के प्रमुख देव भीमा देव को खुश करने के लिए दिन-रात नाच गाने का आयोजन किया जाएगा। ग्राम बालेंगा के उपसरपंच माया राम मरकाम ने बताया कि इस वर्ष शुरू से ही अच्छी बारिश नहीं हो रही है जिसके चलते अमूस तिहार के दिन भी महिलाओं ने यहां अच्छी बारिश की कामना को लेकर भीमा देव के सामने नृत्य किया था। इसके पश्चात अब अच्छी बारिश की कामना को लेकर देवता के सामने पुनः नृत्य का कार्यक्रम होगा।

संक्षिप्त समाचार

युवाओं के लिए प्लेसमेंट ड्राइव 17 से 23 तक

रायपुर। जिला प्रशासन रायपुर द्वारा रोजगार की तलाश कर रहे युवाओं के लिए 17 अगस्त से 23 अगस्त 2023 तक प्लेसमेंट ड्राइव की एक श्रृंखला आयोजित की जाएगी। जिला प्रशासन की यह पहल युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए सुनहरा अवसर लेकर आया है। युवाओं के लिए आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव 17 अगस्त को आईटीआई सड्डू में हॉस्पिटैलिटी (होटल एण्ड रेस्टोरेंट) सेक्टर पर केंद्रित होगी। हेल्थकेयर (हॉस्पिटल्स) सेक्टर प्लेसमेंट ड्राइव 18 अगस्त को बैरन बाजार स्थित शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में आयोजित होगी। 19 अगस्त को बिरगांव के आडवाणी आर्लिकन स्कूल में उद्योगों (इन्डस्ट्रीज) में तकनीकी पदों के लिए प्लेसमेंट ड्राइव होगी। 22 अगस्त को लाइवलीहुड कॉलेज जोरा में विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों के साथ-साथ वित्त (बैंकिंग एण्ड फायनेंस) और सुरक्षा क्षेत्रों पर केंद्रित प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित की जाएगी। इसके अतिरिक्त 23 अगस्त को लाइवलीहुड कॉलेज जोरा में लोन मेला का भी आयोजन किया जाएगा। जिला रोज़गार आधिकारी से प्राप्त जानकारी अनुसार रोजगार मेले में भाग लेने के लिए युवा रायपुर रोजगार संगी वेबसाइट और एप्लीकेशन पर पंजीयन कर सकते हैं।

कार में ईयरफोन लगाकर पटरी पार कर रहा युवक आया ट्रेन की चपेट में, मौत

रायपुर। प्रियदर्शनी परिसर अंडरब्रिज के पास एक युवक ट्रेन की चपेट में आ गया। हादसे में बुरी तरह से घायल युवक को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर प्रकरण जांच में लिया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि मृतक का नाम शशांस दास 33 वर्ष निवासी कसारीडीह था। वह अपने दोस्त प्रियंक तिग्गा और भोजराज बघेल के साथ भिलाई की तरफ घूमने निकला था। तीनों प्रियदर्शनी परिसर अंडरब्रिज के पास पहुंचे। इसके बाद गाड़ी खड़ी कर रेलवे ट्रैक के उस पार चाय पीने बैठे थे। प्रियंक ने बताया कि शशांक हमेशा अपने कान में इयर फोन लगाकर रखता था। मना करने पर भी वह नहीं मानता था। चाय पीने के बाद दोपहर डेढ़ से दो बजे के बीच वे रेलवे ट्रैक पार कर फिर से अंडर ब्रिज की तरफ नीचे उतर रहे थे। प्रियंक और भोजराज रेलवे ट्रैक पार कर चुके थे। उनके पीछे शशांक आ रहा था। तभी उन्होंने देखा कि एक ट्रेन काफी स्पीड में आ रही है। उन लोगों ने शशांक को काफी आवाज लगाई, लेकिन वह नहीं सुना और ट्रेन के किनारे का हिस्सा उसके पीछे से टकराया।

मानसून हुआ कमजोर थम गई बारिश

रायपुर। जुलाई में हुई अच्छी बारिश के बाद अब अगस्त के पहले सप्ताह में छत?तीसगढ़ में मानसून सिस्टम कमजोर पड़ गया है। इसके चलते बारिश भी थम सी गई है और अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी होने लगी है। विभाग का कहना है कि कम से कम सप्ताह भर तो कम बारिश कम ही होगी। फिलहाल अरब सागर से काफी मात्रा में नमी आ रही है, इसके प्रभाव से ही बादल छा रहे है और कुछ क्षेत्रों में हल्की बारिश हो रही है। मंगलवार को रायपुर सहित प्रदेश भर में हल्के बादल छाए रहे, इसके साथ ही कुछ क्षेत्रों में हल्की बूंदाबादी हुई। रायपुर का अधिकतम तापमान 31.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से दो डिग्री सेल्सियस ज्यादा है। इसी प्रकार न्यूनतम तापमान 25.2 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से एक डिग्री सेल्सियस ज्यादा है। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि आने वाले कुछ दिनों में अधिकतम तापमान में थोड़ी बढ़ोतरी हो सकती है।

मिनीमाता स्मृति दिवस एवं प्रतिभा सम्मान समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री

समतामूलक समाज के निर्माण में मिनीमाता का योगदान अविस्मरणीय

- सतनामी समाज बहुल हर विकासखण्ड में मॉडल जैतखाम के निर्माण की घोषणा
- साथ ही उन्होंने गुरू घासीदास साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के नवनिर्वाचित सदस्यों को पद एवं कर्तव्य निष्ठा की शपथ दिलाई
- जिन बुराईयों और विसंगतियों को वे बचपन से देखती आई थीं, उन्हें मिटाने के लिए अब उनके पास लोकतंत्र और संविधान की ताकत भी थी

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल आज राजधानी रायपुर स्थित शहीद स्मारक भवन में आयोजित मिनीमाता स्मृति दिवस एवँ प्रतिभा सम्मान समारोह में शामिल हुए। कार्यक्रम का आयोजन गुरु घासीदास साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, राजश्री सद्भावना समिति एवं समस्त सतनामी समाज रायपुर के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने इस मौके पर सतनामी समाज बहुल हर विकासखण्ड में मॉडल जैतखाम के निर्माण की घोषणा की। उन्होंने कार्यक्रम में सामाजिक उत्थान की दिशा में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सतनामी समाज के 11 महिलाओं को प्रतीक स्वरूप सम्मानित भी किया। साथ ही उन्होंने गुरू घासीदास साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के नवनिर्वाचित सदस्यों को पद एवं कर्तव्य निष्ठा की शपथ दिलाई। मुख्यमंत्री ने मौके पर अकादमी के साहित्य प्रकाशन का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कार्यक्रम में पूर्व सांसद मिनीमाता की पुण्यतिथि पर उन्हें नमन करते हुए शोषण, भेदभाव तथा अत्याचार से मुक्त और समतामूलक समाज के निर्माण में उनका योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने समाज की उन्नति तथा विकास के लिए निरंतर कार्य किया। मिनीमाता छत्तीसगढ़ की पहली महिला थी, जो सांसद बनी

थी। वर्ष 1952 से 1972 तक सारंगढ़, महासमुंद तथा जांजगीर से वे सांसद रही। उन्होंने इस दौरान समाज की उन्नति के साथ-साथ पूरे छत्तीसगढ़ के विकास के लिए कार्य करती रहीं। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि मिनीमाता ने अपना राजनीतिक जीवन शुरू होने के बाद सामाजिक उत्थान काम और तेज कर दिया। जिन बुराईयों और विसंगतियों को वे बचपन से देखती आई थीं, उन्हें मिटाने के लिए अब उनके पास लोकतंत्र और संविधान की ताकत भी थी। छुआछूत, नारी-उत्थान, श्रमिक कल्याण के क्षेत्र में मिनीमाता ने अद्वितीय कार्य किए। लोक सभा में अस्पृश्यता निवारण विधेयक पारित कराने में मिनी माता के योगदान को कभी भी भुलाया नहीं जा सकेगा। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि मिनीमाता जिस तरह के समाज के निर्माण का सपना देख रही थीं, असल में वह हर छत्तीसगढ़िया का सपना था। पिछले पौने पांच वर्षों से हम लोग हमारी पुरखिन मिनीमाता और हमारे तमाम पुरखों के सपनों के छत्तीसगढ़ का निर्माण करने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। कार्यक्रम में नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने संबोधित करते हुए कहा कि मिनीमाता का पूरा जीवन समाज के शोषित तथा वंचित लोगों की भलाई के लिए समर्पित रहा। इस अवसर पर राज्य गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष डॉ. महंत रामसुंदर दास, अकादमी के अध्यक्ष श्री के.पी. खांडे, संरक्षक श्रीमती शकुन डहरिया एवं समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

मणिपुर मामले में पीसीसी चीफ दीपक ने केंद्र सरकार को घेरा

- ये लोग चर्चा करने को तैयार नहीं, प्रदेश कार्यकारिणी पर बोले- जल्द जारी होगी लिस्ट

रायपुर/ संवाददाता

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज दिल्ली से रायपुर लौट आए हैं. एयरपोर्ट पर बैज ने मीडिया से चर्चा के दौरान इंडिया की ओर से लाए गए अविश्वास प्रस्ताव को लेकर कहा कि अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा शुरू हुई है. सभी विपक्षी दलों ने अविश्वास दिया है. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और केंद्र सरकार मणिपुर विषय पर चर्चा करने को तैयार नहीं है. अविश्वास प्रस्ताव के माध्यम से देश के बहुत सारे मुद्दों पर चर्चा की जाएगी. देश की जनता के सामने भारतीय जनता पार्टी की नाकामियों को उजागर करेंगे. वहीं पीसीसी की लिस्ट को लेकर दीपक बैज ने कहा कि जल्द सूची जारी होगी. नए लोगों को और युवा चेहरों को संगठन में मौका मिलेगा। विश्व आदिवासी दिवस को लेकर बैज ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने आदिवासियों के लिए बहुत कार्य किए हैं. अवकाश घोषणा के साथ-साथ, त्योहार के रूप में आदिवासी दिवस मनाया जाता है. आदिवासी दिवस को लेकर बीजेपी पर निशाना साधते हुए बैज ने कहा कि पहले की सरकार ने आदिवासियों को चप्पल जूते और टिफिन तक ही सीमित रखा. भारतीय जनता पार्टी को सिर्फ राजनीति करनी है. उनके पास कोई मुद्दे नहीं है. बीजेपी के लोग आदिवासी दिवस मनाने की बात कह रहे हैं. वरिष्ठ आदिवासी नेता को आदिवासी दिवस के दिन ही हटाया जाता है. भारतीय जनता पार्टी की मंशा यही लोग जाने। बीजेपी के गोबर घोटाले के आरोप और गायों को शासकीय भवनों में छोड़ने की बात पर दीपक बैज ने कहा कि मई के महीने में बीजेपी के नेता दोपहर में गाय ढूंढने जाते हैं. ये लोग छत्तीसगढ़ी संस्कृति का अपमान कर रहे हैं. गौठान में स्ट्रक्चर बना हुआ है. सोसायटी के माध्यम से किसानों को लाभ भी मिल रहा हैं.

घर में छिपा रखा था दो लाख का अंग्रेजी शराब

रायपुर। नशे के खिलाफ जारी अभियान के तहत बस्तर जिले में पुलिस ने नशे के सौदागरों पर एक बड़ी कार्यवाही करते हुए दो आरोपियों को 270 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। मुखबीर की सूचना पर ग्राम जैबेल हाईसकूलपारा में रहने वाले एक युवक के घर में पुलिस ने दबिश दी। इस दौरान आरोपी इंदर बघेल के घर के पीछे स्थित बाड़ी में अवैध रूप से अंग्रेजी शराब गोवा ब्राण्ड छिपा कर विक्रय हेतु रखा हुआ था। इसी तरह आरोपी लुतेश्वर सिन्हा के कब्जे से 10 पेटी गोवा शराब जब्त किया गया। पुलिस ने कुल 270 लीटर शराब अनुमानित कीमत करीब 2 लाख रूपए बरामद करने में सफलता पाई है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही किया है।

छत्तीसगढ़ में किसानों की समृद्धि, खेती में बढ़ते रुझान

20 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदी के फैसले से भाजपाई चिंतित हुए

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि भूपेश सरकार ने प्रमाणित किया है कि किसान पुत्र ही किसानों की समृद्धि के लिए आवश्यक नीतियों को व्यवस्थित तरीके से धरातल पर उतार कसता है। चाहे किसानों की कर्जमाफी की बात हो या वादे से अधिक धान की कीमत, भूपेश सरकार किसानों से किए अपने हरेक वादे पर खरी उतरी है। विगत साढ़े चार वर्षों में छत्तीसगढ़ में 3 लाख 37 हजार हेक्टेयर से अधिक सिंचाई का रकबा बढ़ा है। 6 लाख से अधिक कृषि पंपों को 10900 करोड़ की राहत, निः शुल्क और रियायती बिजली के तौर पर दी जा

रही है। धान खरीदी के हर साल नए रिकॉर्ड बनाने के बाद अब प्रति एकड़ 20 क्विंटल खरीदी का ऐतिहासिक निर्णय छत्तीसगढ़ में किसानों की समृद्धि की दिशा में निर्णायक कदम है। विगत खरीफ सीजन में 1 लाख 7 हजार मीट्रिक टन धान खरीदी के बाद आगामी खरीफसीजन में 135 से 140 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी का लक्ष्य है। 15 साल रमन सिंह के कुसाशन में कभी बोनस, कभी रतन जोत, कभी औषधि खेती, कभी फसल बीमा, तो कभी मुफ्त बिजली कनेक्शन के नाम पर किसानों को ठगा गया। असलियत यही है कि भाजपा आदतन किसान विरोधी है। 15 साल के रमन राज में छत्तीसगढ़ का किसान लगातार बदहाल होता रहा। नकली बीज, नकली दवा, नकली खाद के अवैध कारोबारियों को भाजपाई संरक्षण प्राप्त था। कृषि उपकरणों पर दिए जाने वाले सब्सिडी के लिए काउंटर तय हुआ करते थे। भूपेश बघेल सरकार ने उस व्यवस्था को खत्म करके सब्सिडी हितग्राहियों के खातों में सीधे जमा कराने की व्यवस्था की।

प्रदेश भर के बुजुर्ग पेंशनरों ने मंत्रालय का घेराव कर जंगी प्रदर्शन किया गया

- केन्द्र के समान महंगाई राहत और धारा 49 को विलोपित करने की मांग

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मध्यप्रदेश राज्य पुनर्गठन अधिनियम 2000 की धारा 49 को विलोपित करने तथा केन्द्र के समान केन्द्र के देय तिथि से महंगाई राहत देने की मांग को लेकर छत्तीसगढ़ राज्य संयुक्त फेडरेशन के आव्हान पर पेंशनर्स फेडरेशन के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र नामदेव एवं पेंशनर संगठनों के प्रांताध्यक्ष क्रमशः छत्तीसगढ़ पेंशनधारी कल्याण संघ के डॉ डी पी मनहर, पेंशनर्स एशोसिएशन छत्तीसगढ़ के यशवंत देवान, छत्तीसगढ़ प्रगतिशील पेंशनर कल्याण संघ के आर पी शर्मा,भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ के जे पी मिश्रा तथा पेंशनर्स समाज कांकेर जिला इकाई के अध्यक्ष ओ पी भट्ट के नेतृत्व में प्रदेश भर के पेंशनरों ने दोपहर 1 बजे से आज 10 अगस्त को मंत्रालय के समक्ष घेराव कर जंगी प्रदर्शन किया. इस दौरान मंत्रालय से चर्चा हेतु पेंशनर्स फेडरेशन के प्रतिनिधि मंडल को आमन्त्रित किया. प्रतिनिधि मण्डल से मुख्य सचिव, वित्त सचिव के अनुपस्थिति मे संयुक्त सचिव वित्त अतिश पाण्डे ने ज्ञापन लेकर चर्चा की.फेडरेशन के अध्यक्ष वीरेंद्र नामदेव के साथ पेंशनर नेता डॉ डी पी मनहर, यशवंत देवान, आर पी शर्मा तथा जे पी मिश्रा शामिल रहे. संयुक्त सचिव ने प्रतिनिधि मंडल को बताया कि पेंशनरों को बकाया 4त्न महंगाई राहत देने के लिए सहमति बाबत मध्यप्रदेश शासन को 2 अगस्त को पत्र भेजा जा चुका है. सहमति प्राप्त होने के बाद आदेश जारी कर दिया जायेगा. धारा 49 को विलोपित करने के मामले में उन्होंने बताया कि भारत शासन से इस धारा को हटाने के सम्बन्ध पत्र भेजकर जानकारी चाही गई है छत्तीसगढ़ राज्य शासन ने इस बारे में प्रतिवेदन बनाकर भारत शासन को पूरी जानकारी सहित भेज दिया गया है. इस बारे में निर्णय भारत शासन द्वारा लिया जायेगा. जारी विज्ञप्ति में आगे बताया गया है कि छत्तीसगढ़ शासन ने 2 अगस्त 23 को जारी एक आदेश में केवल कर्मचरियों के लिए 4 प्रतिशत महंगाई देने का आदेश किया है।

एक्स जज के खिलाफ भाईयों ने दर्ज कराया 420 का मामला,पहुंची जेल

रायपुर। रिटायर्ड जज अंजू गुप्ता और उसके भाई के खिलाफ उनके ही भाई ने धारा 420 समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज कराया है, जिसके बाद वे जेल पहुंच गई है. पूरा मामला सरस्वती नगर थाना क्षेत्र का है। थाने में एफआईआर अनिल गुप्ता की ओर से दर्ज कराई गई है, जो पूर्व जज अंजू गुप्ता का भाई है. अनिल गुप्ता ने अपनी ही बहन और भाई आनंद गुप्ता पर ये आरोप लगाए है कि दोनो ने मिलकर घर की प्रापर्टी के कूटरचित दस्तावेज तैयार किए और दोनो ने अपने मृतक भाई की प्रापर्टी में गलत तरीके से एफिडेविट दिया और ये कहा कि उनके कोई और भाई-बहन नहीं है. जबकि वे कुल 5 भाई और 5 बहन है. प्रार्थी अनिल गुप्ता की शिकायत पर पुलिस ने पूर्व जज अंजू गुप्ता और उसके भाई आनंद गुप्ता के खिलाफ धारा 420, 467, 468, 471 और 120-बी के तहत मामला दर्ज किया है. हालांकि ये एफआईआर 2 अगस्त को दर्ज हुई है, लेकिन ये बाद मीडिया से पूरी तरह छिपा ली गई थी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक उनके परिवार के प्रापर्टी का लंबा विवाद है. सूत्रों का दावा है कि इनके खिलाफ आरंग थाने में भी प्रापर्टी के विवाद को लेकर एफआईआर दर्ज है. इस संबंध में ने प्रार्थी अनिल गुप्ता से बात की, तो उन्होंने इस पूरे मामले को पारिवारिक विवाद बताया है ।

रेशम की डोर से महिलाएं समृद्धि की ओर महिलाओं को मिल रहा रोजगार.....

- टसर सिल्क की समृद्ध बनावट और चटक गहरा रंग है, जो इसकी लोकप्रियता का कारण है
- समूह की महिलाओं द्वारा कुल 6 लाख रुपए का धागा उत्पादन किया गया, जिसमें इन महिलाओं को 1 लाख 80 हजार रुपए का शुद्ध लाभ हुआ

रायपुर/ संवाददाता

टसर सिल्क, ये नाम तो आपने सुना ही होगा। टसर रेशम को जंगली रेशम भी कहा जाता है। टसर रेशम से बने कपड़े पहनने के शौकीनों की कमी नहीं हैं। सिल्क साड़ियां का बाजार आज भी गुलजार है। खास मौकों पर सिल्क कपड़ों का अपना अलग महत्व है। युवा से लेकर बुजुर्ग महिलाओं की पसंद में सिल्क साड़ियां पहले नंबर पर है। टसर सिल्क की समृद्ध बनावट और चटक गहरा रंग है, जो इसकी लोकप्रियता का कारण है। वर्तमान में छत्तीसगढ़ के विभिन्न रीपा केंद्रों में रेशम धगाकरण का कार्य स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा किया जा रहा है। महिलाएं इससे अपना जीवन बेहतर बना रहे हैं। राजनांदगांव जिले के ग्राम बघेरा की नारी शक्ति टसर सिल्क मटका स्पिनर स्व-सहायता की 15 महिलाओं ने जनवरी 2023 से रेशम धागाकरण का कार्य प्रारंभ किया। ये महिलाएं पहले खेती किसानी, मजदूरी और घर का काम करती थी। परिवार के साथ रहकर सीमित साधनों के साथ अपने जीवन का निर्वहन कर रही थी। समूह की महिलाओं द्वारा 4 लाख 50 हजार रुपए का रेशम धागा का उत्पादन किया गया, जिसमें इन महिलाओं को 1 लाख 40 हजार रुपए का शुद्ध लाभ हुआ। इसी तरह रीपा योजनान्तर्गत बस्तर जिले के ग्राम तुमेनार के रेशम धागा समिति की 20 महिलाओं रेशम धागाकरण का कार्य कर रही है। समूह की महिलाओं द्वारा कुल 6 लाख रुपए का धागा उत्पादन किया गया, जिसमें इन महिलाओं को 1 लाख 80 हजार रुपए का शुद्ध लाभ हुआ। रीपा केंद्रों के माध्यम से महिलाओं को रेशम धागे का उत्पादन और विपणन करने में सक्षम बनाना है। इसके अलावा, उद्यम गरीबी को कम करने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में स्थायी रोजगार के सृजन की सुविधा प्रदान करना है और ग्रामीण आबादी विशेष रूप से महिलाओं को स्व-रोजगार के ढेर सारे अवसरों के माध्यम से सशक्त बनाना है।

छ.ग.प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ की महासमिति की बैठक में निर्णय

अगस्त के अंत तक मांगें पूर्ण नहीं तो दोगुनी ताकत से आन्दोलन होगा

रायपुर/भारत भास्कर। छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ की प्रांतीय महासमिति की बैठक आज दिनांक 13 अगस्त 2023 को संघ कार्यालय अर्जुन नगर रायपुर में प्रातः 11 बजे से आयोजित हुई द्य संघ के संरक्षक एवं सलाहकार श्री ओपी शर्मा जी की गरिमामय उपस्थिति तथा प्रांताध्यक्ष आलोक मिश्रा की अध्यक्षता में प्रदेश भर के प्रांतीय पदाधिकारी, संभागीय अध्यक्ष एवं पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष एवं जिला पदाधिकारी, विभिन्न प्रकोष्ठ के प्रांतीय संयोजक उक्त बैठक में उपस्थित हुए द्य महामंत्री अश्वनी गुर्देकर एवं उप प्रांताध्यक्ष एस.पी. देवांगन ने संयुक्त विज्ञप्ति जारी करके बताया कि विगत माह 4ङ्क9 जुलाई के आन्दोलन को उप मुख्यमंत्री टी.एस. सिंह देव जी की नोटशीट जिसमें 5 दिन में कार्यवाही के निर्देश थे, एवं माननीय मुख्यमंत्री से चर्चा व ठोस आश्वाशन पर स्थगित किया गया था एवं 13 जुलाई को मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन जी से चर्चा करके संघ की समस्त मांगों से अवगत कराया गया था जिस पर मुख्य सचिव महोदय ने सम्बंधित सचिवों / अधिकारियों को कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया एवं अब तक शासन स्तर पर कार्यवाही प्रक्रियाधीन है द्य किन्तु 1 माह उपरांत भी आज दिनांक

तक आदेश नहीं होने से संघ पदाधिकरियों ने शासन के विरुद्ध भारी आक्रोश दिखाया द्य बैठक में सभी जिला अध्यक्ष, प्रांतीय संयोजक एवं प्रांतीय पदाधिकारियों ने संबोधित किया, 5 घंटे चली मैराथन बैठक में अंततः सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया है कि अगस्त माह के अंत तक यदि संघ की मांगों पर शासन की ओर से मांगों को पूर्ण नहीं किया जाता है तो संघ फिर से अनिश्चितकालीन आन्दोलन की तैयारी करके अब दोगुने ताकत और प्रयत्न से आन्दोलन करेगा जिसमें सभी स्वास्थ्य कर्मचारियों को सम्मिलित किया जायेगा द्य उक्त महासमिति की बैठक में संघ संरक्षक श्री ओ.पी.शर्मा, प्रांताध्यक्ष आलोक मिश्रा कार्यकारी प्रांताध्यक्ष रविन्द्र तिवारी, महामंत्री सैय्यद असलम, आर. डी. दीवान, एस. के. पांडे, अश्वनी गुर्देकर, उप प्रांताध्यक्ष एस पी देवांगन, प्रांतीय सचिव राजेंद्र यादव, जिलाध्यक्ष व उप प्रांताध्यक्ष अजय परिहार, डी.के.दानी, भूपेंद्र राय, प्रमेश पॉल, सत्येन्द्र गुप्ता, विनोद तिवारी, पी.आर.अजय, एस एस सोनी, इन्द्रसेन विश्वकर्मा, अरुण ताम्रकर, मदनलाल चौहान, मदनलाल साहू, दीप्ती धुरंधर, हरिशंकर साहू, सतीश पसेरिया, ललित सिंह ध्रुव, संध्या रानी मोवले, विपिन प्रधान, बी. एल. वर्मा, संजय नारंग, आर के जाटव, संतोष देवांगन, संतोष गिरी, नितीश सिन्हा, लच्छी टंडन, रमेश सोनबोइर, विजय दौरे, अनिल वैद, कमलेश उसेंडी, मदनलाल साहू, अमरु साहू, क्षितिज साहू, प्रमोद गौतम, विनोद मटाले, जैकलीन दान, संयोजक कमल चंद्राकर, प्रफुल्ल पॉल, अनिल कुमार गढ़ेवाल, विशाल घोड़खांदे, अन्जय मिश्रा, नरेश नेताम, क्षितिज साहू, धनेश्वरी साहू, विभा सहाय, सुभाष सहारे, डी.पी.वर्मा, भानु डडसेना, सुशिल कुमार गुप्ता, दुष्यंत कुमार जंघेल, योगेश चडिया, मनोज मांडले, इश्वर साहू, संजय सोनी आदि सैकड़ों की संख्या में आक्रोशित पदाधिकारी उपस्थित थे।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक,संपादक-संदीप तिवारी द्वारा अनंत विहार कालोनी,दलदल सिवनी मार्ग-मोवा रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं छत्तीसगढ़ प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स अनंत विहार कालोनी,दलदल सिवनी मार्ग -मोवा रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित।
(पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) फोन:-9301031000, 0771-6556444 bharatbhaskar222@gmail.com